वार्षिक रिपोर्ट

और परीक्षित लेखा
वर्ष 2015-16 के लिए

सालारजंग संग्रहालय
हैदराबाद

विषय सूची
वार्षिक रिपोर्ट

क्रम सं.		पृष्ठ सं.
01	संग्रहालय का संक्षिप्त इतिहास और क्रम विकास	02
02	संस्थापकों का इतिहास	03
03	संग्रहालय की वर्तमान स्थिति	03
04	दीर्घाएं	04
05	संग्रहालय के क्रियाकलाप	10
06	सालार जंग संग्रहालय बोर्ड का गठन	12
07	वित्तीय स्थिति - एक नज़र में	16
	(क) अस्थाई प्रदर्शनियां	17
	(ख) व्याख्यान	24
	(ग) अन्य गतिविधियां	27
	(घ) संरक्षण और क्यूरेटोरियल गतिविधियां	32
	(च) विकासशील गतिविधियां	33
08	वार्षिक लेखा	34
09	लेखा परीक्षा रिपोर्ट	60

सालारजंग संग्रहालय

संग्रहालय का संक्षिप्त इतिहास और विकास

हैदराबाद का सालारजंग संग्रहालय विश्व के यूरोपीय, एशियाई और सुदूरपूर्व देशों के विभिन्न कलात्मक उपलब्धियों का भंडार है. इस संग्रहालय के बड़े भाग को नवाब मीर युसुफ अली खान के द्वारा संग्रहण किया गया, जिन्हें सालारजंग-III के रूप में जाना जाता है. इसमें कुछ दुर्लभ वस्तुएं उनके दादा नवाब मीर तुराब अली खान, सालारजंग-I से विरासत में मिली. एक मनमोहक और संग्रहालय की प्रतिष्ठित संपदाओं में से एक संगमरमर की मूर्ति "बुरकापोश रेबेका" को सालारजंग-I द्वारा रोम में सन् 1876 में खरीदा गया था. परिवार की इसी परंपरा और कलात्मक वस्तुओं की प्राप्ति करने का निजी उत्साह तीन पीढ़ियों तक जारी रहा. सालारजंग-III ने 1914 में निज़ाम के प्रधान मंत्री के पद से मुक्त होने के बाद भी जारी रहा और अपनी मृत्यु होने तक उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन संग्रह, कला व साहित्य के खज़ानें को बढ़ाने में लगा दिया. चालीस वर्षों से अधिक समय तक कीमती और दुर्लभ कलाकृतियों को संग्रह करने की उनके इसी प्यार की चेष्टा ही है, जो सालारजंग संग्रहालय में शोभायमान हैं. सालारजंग-III की मृत्यु के बाद, किसी सीधे उत्तराधिकारी के अभाव में, अमूल्य कलात्मक वस्तुओं और उनके पुस्तकालय के विस्तृत संग्रहालय को सालारजंग-III के पुश्तैनी महल में रखा गया था, नवाब के संग्रह को संग्रहालय का रूप देने के लिए श्री एम.के. वेलोदी, हैदराबाद राज्य के तत्कालीन मुख्य सिविल प्रशासक के मन में विचार उत्पन्न हुआ. उन्होंने सालारजंग-III के विभिन्न महलों में बिखरे पड़े कला-कृतियों और कुतूहल पैदा करनेवाले वस्तुओं को लेकर संग्रहालय बनाने के लिए ख्याति प्राप्त कला समीक्षक डॉ. जेम्स कजिन्स से संपर्क किया.

डॉ. कजिन्स ने सुझाव दिया कि इस कार्य के लिए श्री जी. वेंकटाचलम कला समीक्षक की सेवाएं ली जाए. श्री वेंकटाचलम के समक्ष विकट समस्या थी कि विशाल संग्रहण में से किसे चुनें, जो संग्रहालय के लिए संगत था. प्रस्तावित संग्रहालय का स्थान "दीवान देवड़ी" ही था, जो सालारजंग का पुश्तैनी महल था, जहां जनाब मीर युसूफ अली खान ने अपना पूरा जीवन बिताया. इस तरह से नवजात संग्रहालय का नियंत्रण और पर्यवेक्षण सालारजंग संपदा समिति के हाथ में ही रही. इसके बाद 16 दिसंबर, 1951 को उनके नाम की निरंतरता को कायम रखने की कल्पना से दीवान देवड़ी में सालारजंग संग्रहालय का उद्‌गम हुआ, जिसे भारत के तत्कालीन प्रधान मंत्री, पंडित जवाहर लाल नेहरू द्वारा इसे जनता के लिए खोल दिया गया था. इस प्रकार वर्तमान सालारजंग संग्रहालय अस्तित्व में आया. यद्यपि संग्रहालय का प्रशासन वर्ष 1958 तक सालारजंग संपदा समिति के हाथों में ही था. सालारजंग के वंशज उच्च न्यायालय की 26 दिसंबर, 1958 की एक डिक्री के आधार पर वस्तुओं को भारत सरकार को दान देने के लिए एक समझौते पर उदारता से सहमत हुए. उसके बाद 1961 तक संग्रहालय का प्रशासन, भारत सरकार के अधीन रहा.

भारत सरकार को संपदा सौंपते समय सालारजंग संपदा समिति द्वारा देखभाल किये गये वस्तुओं को विधिवत सूचीबद्ध किया गया. रजिस्टरों में सूचीबद्ध संग्रहण की वस्तुसूची उर्दु भाषा में लिखी गई थी, जो इसका मौलिक रिकार्ड है. वर्ष 1963 और 1964 के दौरान पूर्व रजिस्टरों के आधार पर अंग्रेज़ी में एक 109 जोडियों की वस्तुसूची - रजिस्टर तैयार किया गया, जिसमें वस्तुओं का ब्यौरे-वार विवरण, उनके नाप और उनके संबंधित चित्रों सहित दर्शाया गया है. 1976 में अंग्रेजी में एक नए रजिस्टर की जोडी बनाई गई, जिसे मास्टर लेड्जर्स/सामान्य आवाप्ति रजिस्टर कहा जाता है, जो वस्तुसूची रजिस्टरों का विकसित रूप है.

सालारजंग परिवार का पीढ़ियों तक की विद्वत्ता, शिक्षण और राजमर्मज्ञता के क्षेत्र में यशस्वी इतिहास रहा है ओर इन दुर्लभ कलाकृतियों, पांडुलिपियों तथा पुस्तकों के विशालतम संकलन में बहुत बड़ा योगदान रहा है, जिन्हें अब संग्रहालय में रखा गया है.

नवाब मीर युसुफ़ अली खान बहादूर सालारजंग - III

नवाब मीर युसुफ़ अली खान का कलाकृतियों के प्रति उत्साहवर्धक प्रेम जग जाहिर था. उनका महल ऐसे व्यक्तियों से भरा होता था, जिनके पास बेचने लायक कुछ न कुछ वस्तुएं होती थी. इस प्रकार उनके चयन के लिए पांडुलिपियां, मुद्रित पुस्तकें, लघु चित्रकारियां, सुलेख, फलक और सभी प्रकार की कलाकृतियां उनके यहां लाई जाती थीं. भारत के विभिन्न भागों से व्यापारी उनके यहां अक्सर आया करते थे. उन्हें कला की दुर्लभ वस्तुएं लुभाती थीं. कई वर्षों तक कलाकृतियों और पुरातनकालीन वस्तुओं को संकलित करते रहे, जिन्हें वे अपने महलों के कई कक्षों में रखते थे. कलाकृतियों के प्रति उनका प्रेम उन्हें यूरोप और मध्य पूर्व की ओर ले गया. विदेशों में उनके एजेंट उन्हें विख्यात कलाकृति व्यापारियों से सूची पत्र भेजा करते थे. वे अपने महल में बैठकर उन सूची पत्रों को ध्यान से पढ़ते थे और कभी-कभी केबल द्वारा खरीददारी करते थे. उनका अंतिम परेषित माल हाथीदंत कुर्सियों का संच है, जिनके बारे में कहा जाता है कि मैसूर के टिपू सुलतान का है. यह खेद का विषय है कि, वे इन कुर्सियों को नहीं देख पाए, क्योंकि यह परेषण उनके मृत्यु के बाद प्राप्त हुआ. कलाकृतियों, पांडुलिपियों और पुस्तकों के संकलन के अलावा वे कवियों, लेखकों और कलाकारों को आश्रय देते थे. साथ ही साथ वे साहित्यिक, सांस्कृतिक और सामाजिक गतिविधियों को भी प्रोत्साहित करते थे. वे अपने परिवार के सदस्यों पर लिखी गई कई पुस्तकों के प्रकाशन में सहायक बने हैं, जैसे 'शेर जंग', 'मीर आलम'/'रियाज-ए-मुखतारिया' और 'मुराक्का-ए-दिल्ली', जो सभी उनको समर्पित हैं. उनकी अपनी आत्मकथा 'यूसुफ-ए-दक्कन' उनके जीवन काल में प्रकाशित हुई. इस प्रकार यह स्पष्ट है कि, अंतिम सालारजंग द्वारा संचित वस्तुओं में उसके उत्तराधिकारी सही संग्रहकर्ता के प्रेम और उत्साह में निरंतर बढ़ोतरी करते गए. यह चालीस वर्ष तक अर्थात 2 मार्च, 1949 को उनके देहांत तक जारी रहा. उस समय के सैन्य गवर्नर ने इस महान व्यक्ति के सम्मान में, जो एक महत्वपूर्ण कुलीन पुरुष थे और पुरातन व्यवस्था के भूतपूर्व प्रधानमंत्री थे, एक दिन का सार्वजनिक अवकाश घोषित किया. हैदराबाद आर्ट्स सोसायटी ने एक शोक सभा का आयोजन किया और संवेदना व्यक्त की. सोसायटी ने यह भी संकल्प लिया कि उनके नाम से एक संग्रहालय खोला जाए. स्वर्गीय नवाब साहिब के मित्र प्रो. हुसैन अली खान और नवाब मेहदी नवाज़ जंग बहादूर ने इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए अपना भरपूर योगदान दिया.

संग्रहालय की वर्तमान स्थिति

स्थान:

वर्तमान संग्रहालय भवन का निर्माण मूसी नदी के दक्षिणी सीमा छोर पर किया गया है, जो ऐतिहासिक चारमीनार, मक्का मस्जिद आदि जैसे पुराने शहर के महत्वपूर्ण स्मारकों के समीप है. पुस्तकालय और संग्रहालय की वस्तुओं को 1968 में दिवान देवड़ी से नये भवन में अंतरित किया गया. वर्तमान संग्रहालय भवन सुगम स्थल पर होने से आसानी से पहुंचा जा सकता है. यहां सभी क्षेत्रों के पर्यटकों का सतत ताता लगा रहता है. विशाल संग्रह को ध्यान में रखते हुए, वर्तमान भवन के दोनों ओर दो और भवन के निर्माण का प्रस्ताव रखा गया. ये दोनों भवन मीर तुराब अली खान भवन (पश्चिमी ब्लॉक) और मीर लैक अली खान भवन (पूर्वी ब्लॉक) 2000 ई. में बनकर तैयार हुए.

विस्तार:

संग्रहालय द्वारा पश्चिमी और पूर्वी ब्लॉकों पर अतिरिक्त मंज़िलों के निर्माण का कार्य किया गया जो पूर्ण हो चुका है. इसके द्वारा 20,000 वर्ग फीट अतिरिक्त क्षेत्र उपलब्ध हुआ है, जिसमें कुछ और दीर्घएं तैयार करने की योजना बनाई जा रही है।

सिक्का दीर्घा: संग्रहालय के संकलन में अत्यधिक सिक्कों को प्रदर्शित करने के लिए मुद्राशास्त्र दीर्घा विकसित की गई है – सिविल कार्य और फैब्रीकेशन कार्य पूर्ण हो चुके हैं । प्रदर्शन कार्य प्रगति पर है ।

बाल खंड: बाल खंड को पुनःसुसज्जित किया जा रहा है और आंतरिक सज्जा कार्य पूर्ण हो चुका है तथा कलाकृतियों को प्रदर्शित करने की प्रक्रिया चल रही है ।

इस्लामिक कला दीर्घा: सालारजंग के संकलन से इस्लामिक कला / कलाकृतियों को प्रदर्शित करने के लिए

इस्लामिक कला दीर्घा खोलने की योजना बनाई गई है । सिविल कार्य और फैब्रीकेशन कार्य पूर्ण हो चुके हैं और आंतरिक सज्जा कार्य प्रगति पर है ।

संग्रहालय संकलन :

संग्रहालय में, भारतीय मूल के ही नहीं, बल्कि पाश्चात्य, मध्यपूर्व और सुदूर पूर्व मूल की कलात्मक और पुरातत्व वस्तुओं के विश्व के शानदार संग्रह हैं. इसके अलावा, बच्चों का अनुभाग, एक समृद्ध संदर्भ पुस्तकालय, वाचनालय और दुर्लभ पांडुलिपि अनुभाग है. अतः यह संग्रहालय न केवल एक शैक्षिक स्थल बल्कि जीवन के सभी क्षेत्रों के व्यक्तियों के लिए एक आनंददायी स्थान बनाता है.

दीर्घाएं :

संग्रहालय में तीन मुख्य ब्लॉकों (खंडों) में 38 दीर्घाएं हैं. भारतीय संग्रह विभिन्न राज्यों जैसे तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक, केरल, उड़ीसा, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, पंजाब, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, गुजरात, जम्मू और कश्मीर तथा कांगड़ा, बशोली, जयपुर, उदयपुर, मेवाड़, हैदराबाद, गोलकोंडा, बिजापुर, कर्नूल तथा निर्मल से हैं.

पश्चिमी संग्रहों में शामिल हैं- इंग्लैंड, आयरलैंड, फ्रांस, बेल्जियम, इटली, जर्मनी, जेकॉस्लोवेकिया, और ऑस्ट्रिया.

पूर्वी देशों से वस्तुएं चीन, जापान, बर्मा, कोरिया, नेपाल, थाइलैंड, इंडोनेशिया से और मध्य पूर्व देश जैसे मिश्र (ईजिप्ट), सीरिया, फारस (पर्शिया),और अरेबिया से संग्रहित की गई हैं. भारतीय कलाकृतियों में पत्थर की मूर्तियां, कांस्य मूर्तियां, लकड़ी पर नक्काशी, लघु चित्रकारी, आधुनिक चित्रकारी, हाथीदंत, संगेमरमर, वस्त्र, धातु शिल्प, पांडुलिपियां, बिदरी, अस्त्र-शस्त्र और कवच - बक्तर, उपयोगी शिल्पी बर्तन आदि शामिल हैं.

दीर्घाओं की सूची

1. **संस्थापक दीर्घा :** इस दीर्घा में सालारजंग परिवार से संबंधित चित्र और अन्य व्यक्तिगत वस्तुएं प्रदर्शित की गई है. इस दीर्घा में मीर आलम, मुनीर-उल-मुल्क-II, मोहम्मद अली खान, सालारजंग-I, सालारजंग-II और सालारजंग-III के कई अच्छे तैलचित्र प्रदर्शित किए गए हैं, जो उनके जीवन के विभिन्न पहलुओं को दर्शाते हैं, जो दीर्घा में अतिरिक्त आकर्षण प्रदान करते हैं.
2. **दक्षिण भारतीय कांस्यवर्ण और मुद्रित वस्त्र दीर्घा:** संग्रहालय का कांस्यवर्ण संकलन पल्लव, विजयनगर, चोला काल के हैं.
3. **दक्षिण भारत की लघु कलाएं :** भारतीय कला के इतिहास में लकड़ी पर नक्काशी का महत्वपूर्ण स्थान है. प्राचीन धर्मग्रंथों में विभिन्न प्रकार के धार्मिक वृक्षों और पौधों, जो देवी-देवताओं के प्रतिमाओं की नक्काशी के लिए प्रयोग किए जाते थे, के बारे में विस्तार से वर्णन किया गया है. इस दीर्घा में पर्यटक लकड़ी की नक्काशी, निर्मल चित्रकारी, धातुशिल्प और हाथीदंत नक्काशी की झलक देख सकते हैं. दीर्घा का एक बड़ा भाग दक्षिण भारतीय लकड़ी की नक्काशियों से भरा है.
4. **भारतीय मूर्तिकला :** यद्यपि संग्रहालय में पत्थर की मूर्तियों का संकलन कम है, फिर भी उनका बहुत महत्व है क्योंकि वे भारत में प्रचलित विभिन्न मुद्राओं की विशिष्ट आकृतियों को दर्शाती हैं. ईसा पूर्व तीसरी शताब्दी की बुद्ध की खड़ी हुई प्रतिमा, सर्प शय्या पर लेटे हुए शेष साई विष्णु की प्रतिमा सर्वोत्कृष्ट है. अन्य मूर्तियों में जैन मूर्तियां, गंधर्व शैली की बुद्ध की मूर्तियां और धर्म निरपेक्ष मूर्तियां हैं.
5. **भारतीय वस्त्र और मुगल कालीन शीशा :** संग्रहालय का वस्त्र संग्रह बहुत महत्वपूर्ण है विशालता और विविधता दर्शाता है. संग्रहालय में टाइ एवं डाइ या बांधनी वस्त्र और कुछ पटोला साड़ियों के नायाब नमूने हैं. संग्रहालय में संग्रहित कलमकारी वस्त्र, भारत की समृद्धता में से एक हैं, जो कलमकारी पेंटिंग की शैली और तकनीकी के लिए उन्नत और आंध्र प्रदेश के मुद्रण को उजागर करते हैं.
6. **हाथीदंत कलाकृतियां :** सालारजंग संग्रहालय में विश्व के विभिन्न भागों से हाथीदंत कृतियों का अच्छा संग्रहण है. हाथीदंत संग्रहण प्लास्टिक कला के माध्यम के रूप में हाथीदंत का उत्कृष्ट नमूना है. संग्रहण में हाथीदंत के मोहरें, चौसर सेट आदि एक रोचक समूह है.

7. **रेबेक्का दीर्घा :** इस संगमरमर की मूर्ति को जी.बी.बेन्ज़ोनी द्वारा पारदर्शि दुपट्टे में तराशा गया है. इस महान कृति को 1876 ई. में सालारजंग - I द्वारा खरीदा गया था.
8. **अस्त्र-शस्त्र और कवच :** सालारजंग संग्रहालय में अस्त्र-शस्त्र और कवच के संग्रहण में तलवारें, छुरा-कटार, युद्ध परशु, बरछे-भाले, अंकुश, गदा, धनुष - बाण और बारूद आदि शामिल हैं. रक्षात्मक हथियारों में विभिन्न स्थानों और लोगों के तलवार, ढाल, वक्ष प्लेट, हेलमेट और बखतर सूट आदि शामिल है. संग्रहण में मुगल शासक औरंगजेब, टिपू सुलतान, मोहम्मद शाह और बहादुर शाह जैसे महत्वपूर्ण ऐतिहासिक व्यक्तियों के हथियार रखे गए है.
9. **पैदल छड़ी दीर्घा :** इस दीर्घा में सालारजंग द्वारा प्रयुक्त केन, हाथीदंत, हड्डियों आदि से बनी विभिन्न प्रकार की पदचालन छड़ियां प्रदर्शित की गई हैं.
10. **आधुनिक चित्रकला :** संग्रहालय के संग्रहण में पचासी कलाकारों की कृतियां सजायी गयी हैं. राजा रवि वर्मा पाश्चात्य परंपरा में प्रशिक्षित हुए थे और भारतीय विषयों को समाविष्ट करते हुए भारतीय पौराणिक और शास्त्रीय विषयों पर अत्यधिक मात्रा में तैलचित्र बनाए. उनके बनाए हुए दो चित्र अर्थात केरल की खूबसूरती और स्टोलन इंटरव्यू दीर्घा की शान बने हुए हैं. बंगाली समुदाय के प्रतिनिधियों में रविंद्रनाथ टैगोर, नंदलाल बोस, चुघताई, बिहारी मुखर्जी और वी.एस मारोजी प्रमुख संग्रह हैं. अबनींद्रनाथ की दो कृतियां "क्या आपने उनकी शांत कदमों की आहट सुनी है" और "संगीतकार" को इस संग्रहालय में जगह मिली हुई है. नंद लाल बोस, भारतीय चित्रकला के आधुनिक नवचेतकों में से एक हैं, बंगाल की उत्कृष्ट पेंटिंग की शोभा बढ़ाते हैं. उनकी दो महत्वपूर्ण कृतियां क्रमशः "वसंत" और "आग के चारो ओर ग्रामीण" प्रतिनिधित्व करती हैं. विख्यात चित्रकार जिन्होंने नए प्रयोग किए हैं जैसे एम.एफ.हुस्सैन, के.के.हेब्बार, एन.एस.बेंदु, पणिक्कर, के.एस.कुलकर्णी, पी.टी. रेड्डी, पैदि राजु और दिनकर कौशिक की चित्रकलाएं भी शोभायमान हैं.
11. **धातु शिल्प दीर्घा :** रजत, कांस्य और अन्य धातु के सीरियाई, फारसी, बरमनी, जापानी, भारतीय, रूसी तथा अंग्रेज़ी वस्तुएं इस दीर्घा में शोभायमान है
12. **भारतीय लघु चित्रकला :** मुगल कालीन लघु चित्रकारी के कुछ मोहक उदाहरण इस दीर्घा में प्रदर्शित किए गए हैं. लघु चित्रकारी के क्षेत्र में राजस्थान के रोमानी भूमि का बहुत बड़ा योगदान है. 18वीं सदी के मध्य की चित्रकारी के उत्कृष्ट समूह जैसे न्यायालय के दृश्य, राजा का जुलूस आदि पहाड़ी, बशोली कांगड़ा क्षेत्र से हैं. बहुतायत चित्रकारी दक्कन कलाम की विरासत ओर नज़ाकत को दर्शाते हैं. संग्रहालय में जैन कल्पसूत्रों में पूर्वार्द्ध के रोचक पत्ते हैं, जिसपर 14वीं और 15वीं शताब्दी की पाश्चात्य भारतीय शैली की चित्रकला है.
13. **खिलौने और गुडिया :** इस दीर्घा में सालारजंग द्वारा संकलित विभिन्न प्रकार के खिलौने और गुडिया प्रदर्शित किए गए हैं. कुछ प्रतिमाएं वर्तमान विभिन्न समुदायों के प्रतीक है.
14. **फ्लोरा और फौना दीर्घा :** इस दीर्घा में चीन, जापान और अन्य युरोपीय देशों से लाए गए धातु, संगमरमर एवं चीनी मिट्टी से बने पशु और परिंदे प्रदर्शित किए गए हैं.
15. **बाल अनुभाग :** इन दीर्घाओं में महान इतिहास और साहित्य का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलौने सैन्य प्रतिमाएं तथा चीनी मिट्टी के गुडिया और खिलौने प्रदर्शित किए गए हैं.
16. **अरबी और फारसी पांडुलिपियां :** अरबी और फारसी पांडुलिपियां संग्रहालय के महत्वपूर्ण संकलन है. सबसे प्राचीन प्रदर्शित पांडुलिपि पवित्र कुरान है, जिसे कुफिक लिपि में चर्मपत्र पर लिखा गया है और जो 9वीं शताब्दी इसवी सन् का है. इसके अलावा यहां कई पवित्र कुरान है, जो प्रदीप्त और अलंकृत कर रखे गए है तथा दीर्घा की शोभा बने हुए हैं. अन्य प्रदर्शित स्मरणीय पांडुलिपियों में फारसी के सुलतान हुसैन द्वारा लिखित उमर खय्याम की चौपाइयां और शाहजहां की चहेती बेटी राजकुमारी जहाँआरा बेगम द्वारा लिखित आत्मकथा, प्रदीप्त पवित्र कुरान, मोहम्मद-बी-

अब्दुल रहमान समरकंदी (1424 ई. सं.) द्वारा लिखित फिरदौसी का शाहनामा आदि हैं.

17. **रजत दीर्घा** : इस दीर्घा में भारतीय मीनाकारी और प्रतिमाओं की कलाकृतियां और करीमनगर (आंध्र प्रदेश) तथा कटक (उडिसा) के फिलइग्री कलाकृतियां प्रदर्शित किए गए हैं.

18. **कालीन** : संग्रहालय के मध्य पूर्वी कला संकलन में फारसी कालीन एक महत्वपूर्ण स्थान ग्रहण किया है. इस दीर्घा में तटिल बुनाई और विभिन्न आभूषणों के पैटर्न सहित सजावट के खूबसूरत नमूने, विशेषतः फारसी के सभी महत्वपूर्ण करघा, अर्थात् काषना, बोखारा, तब्रीज, किरमान, शिराज आदि प्रतिनिधित्व करते है.

19. **इजिप्तियन और सिरियन कला** : यद्यपि प्रदर्शित किए गए इजिप्त की कलाकृतियों का बड़ा भाग प्राचीन इजिप्तियन राजाओं के महत्वपूर्ण मकबरों से लिए गए मूल की केवल नकल है, इन कलाकृतियों में सज्जा सामग्री, गोटा-पट्टा कार्य और हाथीदंत नक्काशी शामिल हैं."तूतनखामेन" सिंहासन की शानदार प्रतिकृति आकर्षण का केंद्र हैं, जो 1340 ई. पू. का है, इसका मूल रूप मिस्र के कैरो संग्रहालय में है. यद्यपि इसकी नकल 20वीं सदी में बनाई गई. इस सिंहासन को देखने से मूल सिंहासन के उत्कृष्ट कारीगरी को आसानी से जान सकते हैं. सायरिया के कलाकृतियों में मोतियों की जननी जड़ित राजसी कारीगरी के साथ एक बड़ी संख्या में सज्जा सामग्री की वस्तुएं हैं. उनमें से अधिकतम उत्कीर्ण किए हुए है.

20. **संगेमरमर दीर्घा** : संगेमरमर अर्धकीमती पत्थर है, जो प्रायः पूर्ण सफेद से विभिन्न रंगों, हीरा पन्ना से स्याह काली हरे रंगों में मिलता है. इन संग्रहों में शराब की प्याली (सादा और कीमती पत्थरों से जड़ा हुआ) प्लेट, कप, बुक स्टैंड, बेल्ट बकल, शस्त्र म्यान, फ्लाई विस्क हैंडल और हेयर पिन्स आदि हैं. संगेमरमर का अंकित पुस्तक स्टैंड "शमशुदिन इत्तामिश", "साहिब-ए-कुरान-ए-सानी" अंकित धनुर्धर रिंग मुगल शासक शाहजहां का शीर्षक आदि कुछ उत्कृष्ट कलाकृतियां हैं. संगेमरमर से बनी हुई फलों की चाकू और छुरा जिसमें बहुमूल्य पत्थर जड़े हैं, क्रमशः जहांगीर और नूरजहां से संबंधित माने जाते है.

21. **बिद्री दीर्घा** : बिद्री शब्द बीदर शहर के नाम से लिया गया है, जो हैदराबाद से 120 किलोमीटर की दूरी पर उत्तर पश्चिम में स्थित है. बिद्री कला बीदर से संबंधित नहीं है, परन्तु यह कला हैदराबाद, लखनऊ, पुणे और कश्मीर के कुछ हिस्सों में की जाती है. सामान्यतः यह डिज़ाइन चांदी के पत्रों से बनाया जाता है. काली पृष्ठभूमि पर चमकते चांदी का अभिकल्प इसको उत्कृष्टता प्रदान करता है. इस संग्रहालय में पुराने बिद्री शिल्प कला के नमूने जैसे, हुक्का बेस, पानदान, ट्रे, सुराहियां, अफ्तबास, गुलदस्ता, आदि प्रदर्शित हैं.

22. **कश्मीर दीर्घा** : कश्मीर कक्ष में पेपर मशीन, हाथीदंत, लकडी, सिल्क और प्रलाक्षा से बनाए गए कुशल करीगरी के नमूने प्रदर्शित किए गए हैं.

23. **उपयोगी शिल्पी वस्तु दीर्घा** : यहां प्रदर्शित शिल्प कलाकृतियों में उपयोगी शिल्पी वस्तुएं तथा मुरादाबाद और दक्क़नी पारंपरिक हुक्का, पानदान, पशुओं की अनोखी कलाकृतियां, आदिवासी कला के सेट इस दीर्घा में शोभायमान है.

24. **यूरोपीय फर्नीचर** : यूरोपीय कलाकृतियों के संकलन का एक और अदभुत हिस्सा है यूरोपीय सज्जा सामग्री. फ्रेंच सज्जा सामग्री में कैबिनेट, कनसोल, कुर्सियां, सोफा सेट, कमोड, रमणीय चिलमन, मेज आदि विविध सामग्री हैं, जो लोइस XIV (1643-1715), लोइस XV (1715-44), लोइस XVI (1774-92) और नेपोलियन-। की अवधि से संबंधित है और जो दीर्घा की शोभा बढ़ाते हैं.

25. **बाल अनुभाग** : इन दीर्घाओं में महान इतहिास और साहित्य का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलौने सैन्य प्रतिमाएं तथा चीनी मिट्टी के गुडिया और खिलौने प्रदर्शित किए गए हैं.

26 **चीनी संकलन** : इस संग्रहालय के चीनी संग्रहण 12वीं से 19वीं शताब्दी के है. प्राचीन चीनी मिट्टी के बर्तन जो बाहरी दुनिया में पहुंचने पर निस्संदेह "सेलाडन" (काही) होते हैं, जो विशिष्ट धुंधली हरी चमकीली सामग्री है. इस सामग्री में कुछ रहस्यपूर्ण स्वभाव के गुण हैं. इस माध्यम में प्रदर्शित किए गए सामग्रियों में रोगन और जड़ाऊ चिलमन, रोगन बक्से, तराशे हुए बोतल, गुलदान और सज्जा सामग्री आदि शामिल हैं. संग्रहालय में हाथी दांत पर हाथ से की गयी कारीगरी और कुशल नक्काशी देखते ही बनती है. हाथी दंत के संग्रहण में नक्काशी के अदभूत संग्रह 18वीं से 19वीं शताब्दी के हैं.

27. **सुदूर पूर्वी चीनी मिट्टी के बर्तन दीर्घा** : इस दीर्घा में 12वीं से 19वीं शताब्दी के चीन में बने चीनी मिट्टी के बर्तन, 17वीं से 19वीं शताब्दी के जापान में बने चीनी मिट्टी के बर्तन प्रदर्शित किए गए है.

28. **जपानीज़ कला** : यद्यपि जपानीज़ कला इतिहास और संस्कृति के क्षेत्र में चीन के नैसर्गिक उपसिद्धांतवादी के रूप में उभरा है, उसने संस्कृति और कला के क्षेत्र में स्वतः अपनी पहचान बनाया है. संग्रहालय के संकलन में प्राचीन वस्तुओं में सफेद और नीले चीनी मिट्टी के बर्तन हैं, जो 17वीं सदी के है. संग्रहालय में प्रख्यात सतसूमा सामग्री है, जिसमें विभिन्न आकारों के गुलदान, बोऊल और प्लेट तथा चाय के सेट्स का प्रचुर संकलन है. संग्रहालय में समुराय तलवार है, जिस पर हांथी दांत के मूठ लगे हुए हैं, जो कटना (बड़ा तलवार) और वाकिजास (छोटी तलवार) दोनों का प्रतिनिधित्व करता है और इनमें एक बड़े तलवार के म्यान में फिट की हुई कोडज़ाका (मिसाईल के रूप में प्रयुक्त की जाने वाली छोटी छूरी) भी ह.

29. **सुदूरपूर्वी मूर्ति कला** : इस दीर्घा में नेपाल और तिब्बत जैसे देशों से शिल्पकारी कलाओं से रोचक चित्रों को प्रदर्शित करता है, इन देशों को विश्व के श्रेष्ठ देशों के रूप में माना जाता है .यहां पर मूर्तिकला विशिष्ट तीन माध्यमों से जैसे - कांस्य, धातु और लकड़ी के होने पर है. इस दीर्घा में अधिकतम कलात्मक वस्तुएं बौद्ध शिल्पकारी से संबंधित है, जो बौद्ध मत का प्रभाव भारत जैसे भूखंड से फैलकर भारतीय उपमहाद्वीप जैसे चीन और जापान भू-भागों में भी फैला हुआ है. बौद्ध मूर्तिकला के अलावा इस दीर्घा में जापान के समुराई सैनिकों के मूर्तियां भी अत्यंत रोचक रूप से प्रदर्शित हैं.

30. **और 31. सुदूर पूर्वी लकड़ी के फर्नीचर/नक्काशी** : 17वीं से 20वीं शताब्दी के चीन,जापान और बर्मा में बने लकड़ी की नक्काशी का बृहत संकलन यहां प्रदर्शित है.

32. **यूरोपीय पेंटिंग** : यूरोपियन संकलन में तैल और जल चित्रकारी का महत्वपूर्ण स्थान है. वे जनता की रुचि और उस काल के कलात्मक अभिव्यक्ति को भी दर्शाता है. संग्रहालय में प्रदर्शित चित्रों में केनालेट्टो, हयेज, ब्लास, मार्क, अलडाइन, डिजियानी, माटिन और कुछ कम विख्यात चित्रकारों के कार्य शामिल हैं. सालार जंग संग्रहालय में प्रदर्शित केनालेट्टो का तैल चित्र पियाज्ज़ा सब मारको एक मनमोहक कृति है, जिसमें सुंदर संरचना, मोहक रूप, रमणीय प्राकृतिक दृश्य और उत्कृष्ट परिदृश्य सम्मिलित है. हयेज़ की सुंदर कृति साबुन के बुलबुले, जिसमें एक लड़का बुलबुले छोड़ रहा है जो हवा में तैर रहे है, पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र है.

33. **यूरोपीय चीनी मिट्टी के बर्तन** : संग्रहालय में ड्रेसडेन चीनी मिट्टी के बर्तनों का बहुत बड़ा संकलन है. जो सेवरेस संचयन के बाद आता है. ड्रेसडेन चीनी मिट्टी के संकलन का उत्कृष्ट नमूना है बकरे पर सवार एक दर्जी और उनकी पत्नी का चित्र. अंग्रेजी चीनी मिट्टी की कलाकृतियां विभिन्न प्रकार की है, जो ज्यादातर 19वीं सदी में बनाई गई हैं. उत्कृष्ट नमूनों में से प्याली, तश्तरी, प्लेट, कलश, गर्म पानी प्लेट, लघु मूर्तियां आदि शामिल हैं. इस संग्रहण में वर्सटर, चेलसिया, डर्बी, कोलपोर्ट, स्पेड, मैनचिस्टर, मिनटन, वेजवूड आदि फैक्टरियों के नमूने भी शामिल हैं.

34. **यूरोपीय शीशा** : संग्रहालय में वेनीस, फ्रांस, इंग्लैंड, अमेरिका, बोहेमिया, बेलजियम, तुर्किश और चेकोस्लोवाकिया से लाए गए शीशे के कई उत्कृष्ट नमूने देखने मिलते हैं. वेनीस में बनी हुई शीशे की कलाकृतियां संकलन में विशिष्ट स्थान रखते हैं. बोहेमियन शीशे की निथरनी और कटोरों पर बरोक शैली में एकांथस, फूल, बेलबूटियों की नक्काशी कटाई और एनामेल किया गया है.

35. **यूरोपीय कांस्य** : संग्रहालय में रखे गए यूरोपीय कांस्य की कलाकृतियों में कुछ प्रसिद्ध शिल्पकारों की मूल कृतियों के साथ-साथ नकल भी संग्रहित है, जो काफी विख्यात हैं. यह माध्यम पश्चिम में लोकप्रिय है. ग्रीक कलाकृतियों में "लाऊकून और उसके बेटे" नामक कृति की नकल विलक्षणता का प्रतीक है. यह कला ग्रीक शिल्पकारों को युगों से प्रभावित करती आई है तथा सबसे पुरानी कलाकृति 50 ई.पू. की है. इसके अलावा, यहां और कई प्रतिमाएं है, जैसे - स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी, अलेक्जेंडर आन हार्स बैक, ऑगस्टस, सीज़र नाईट वॉचमैन आदि जो इन व्यक्तियों से जुड़ी कई ऐतिहासिक घटनाओं की याद दिलाते हैं.

36. **यूरोपीय संगमरमर दीर्घा** : संग्रहालय में संगमरमर की मूर्तियों का बहुत बडा संकलन है यद्यपि उनमें विख्यात शिल्पकारों द्वारा बनाई गई ग्रीक पौराणिक शिल्पों के नकल है, जो बगीचे में रखने वाली मीर्तियां है. इस कृति में विश्व विख्यात शिल्पकार जी.बी. बेन्ज़ोनी ने अपनी अतूक छेनी से वधु की रूप में रेबेक्का की लज्जा और यौवन को झलकाया है. इसके अतिरिक्त प्रो.बोरियोने द्वारा बनाया गया क्लियोपात्रा, फ्रांस के शिल्पकार का 'बेब' जिसमें एक बच्चे की मासूमियता झलकती है और क्यूपिड की पत्नी 'साइके' जो सुंदरता का प्रतीक हैं, की प्रतिमा कुछ उत्कृष्ट उदाहरण हैं. प्रसिद्ध फ्रेच मूर्तिकार, कैनोरा (1757-1822) की दो मूर्तिकलाएं वीनस के रूप में राजकुमारी पौलिन कास्ट और दूसरी वीनस की मूर्ति भी उत्कृष्ट संगमरमर हैं. इटली, फ्रांस और इंगलैंड से मंगवायी गयी कई संगमरमर मूर्तियां संग्रहालय में उपलब्ध हैं.

37. **फ्रेंच दीर्घा** : इसमें बारूके, रोकोक्को, फ्रांस और ओरमोलु के नियो शास्त्रीय शैली में बने चीनी मिट्टी के बर्तन प्रदर्शित है.

38 **यूरोपीय घड़ियां** : सालारजंग संग्रहालय में फ्रांस, इंग्लैंड, स्विट्जरलड, जर्मनी, हॉलैंड आदि विभिन्न यूरोपीय देशों की घड़ियों का प्रचुर मात्रा में संकलन है. इनमें चिड़िया का पिंजरा घड़ी, ब्रैकेट घडी, दादा घड़ी, कंकाल घड़ी आदि शामिल है. संग्रहालय में लुईस XV, लुईस XVI और फ्रांस के नेपोलियन-I काल की घड़ियां इसके कुछ उदाहरण भी है. यहाँ की सबसे महत्वपूर्ण घडी जो अत्यधिक संख्या में पर्यटकों को आकर्षित करती है, वह है ब्रिटिश ब्रैकेट घड़ी. इसमें एक यांत्रिक उपकरण है जिसके जरिए एक छोटा खिलौना हर घंटे पर पिंजरे से बाहर निकल कर घंटी बजाता है और वापस पिंजरे के अंदर चला जाता है.

भंडार

सभी कलाकृतियों को सामग्री वार अलग-अलग किए गए है, जैसे: वस्त्र, लकडी के फर्नीचर, लघु चित्रकारी, शीशा, चीनी मिट्टी के बर्तन तथा पेंटिंग आदि और इन्हें नए भंडार कक्षों में शिफ्ट किए गए हैं. इन कक्षों को कम्पैक्टर्स और अलमारियों सहित आधुनिक वैज्ञानिक तरीके से नवनिर्मित एवं उन्नत किए गए हैं, जिसमें इन वस्तुओं को प्रत्यक्ष रूप से तथा प्रदूषण से बचाया जा सकता है. अभी तक 15 भंडार कक्षों में से 12 कक्षों में कम्पैक्टर्स लगाए गए हैं.

पांडुलिपियां और पुस्तकालय:

सालारजंग संग्रहालय के पुस्तकालय में सालारजंग परिवार द्वारा एकत्रित पुस्तक और पांडुलिपियां शामिल है, इस संकलन का उद्‌गम ईसवी सन् 1656 में हुआ. नवाब मीर तुराब अली खान, सालारजंग-I द्वारा इस पुस्तकालय को सुव्यवस्थित संग्रह का रूप दिया गया, जिसे बाद में उनके पुत्र नवाब मीर लाइक अली खान, सालारजंग-II द्वारा और अंत में उनके पौत्र नवाब मीर यूसुफ अली खान, सालारजंग-III ने विकसित किया और इसमें वृद्धि की. पुस्तकालय और पांडुलिपि अनुभाग दूसरी मंज़िल पर स्थित है. इस समृद्ध पुस्तकालय में अंग्रेज़ी, हिंदी, उर्दु, तेलुगु, फारसी, अरबी और तुर्की भाषा की पुस्तकें हैं. अंग्रेज़ी में मुद्रित पुस्तकों में अनुसंधान पत्रिकाएं, दुर्लभ फोटो का अलबम और मूल्यवान उत्कीर्णन शामिल हैं. इस बृहद् संग्रह की प्रमुख बात यह है कि इसमें ज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित पुस्तकें हैं जैसे कला, वास्तुकला, पुरातत्व, भौतिक और जीव - जंतु शास्त्र, सामाजिक शास्त्र, साहित्य, इतिहास तथा यात्रा. इस्लाम, हिंदुत्व, इसाई और अन्य धर्मो से संबंधित धार्मिक पुस्तकें भी इसमें शामिल है. इस संग्रह की प्राचीनतम पुस्तक ईसवीं सन् 1631 में मुद्रित एक अंग्रेज़ी पुस्तक है. इस पुस्तकालय में कला, शिल्पकला, चित्रकला, सिरैमिक कला, अलंकरण

कला, संगीत शास्त्र, संग्रहालय पर्यटन इत्यादि विषयों से संबंधित नयी पुस्तकें निरंतर जोड़ी जाती हैं. संग्रहालय के कर्मचारियों के अलावा अनुसंधान विद्वान (भारत और विदेशों से) नियमित रूप से पुस्तकालय आते रहते हैं. औसतन प्रतिदिन दस व्यक्ति अपने ज्ञान बढ़ाने तथा समृद्ध करने हेतु पुस्तकालय का उपयोग करते हैं. संग्रहालय में उपलब्ध उत्कृष्ट पांडुलिपियों के संग्रह में अरबी, फारसी, उर्दू और अन्य भाषाओं के हैं. इस संग्रह में सुलेखन पट्‌ट भी हैं. इन सचित्रों में विभिन्न ईरानी और भारतीय पंथ की पुस्तकें हैं जैसे बुखारा, इस्फहान, शिराज, तब्रेज, कचार, हार्ट, लाहौर, कश्मीर, पंजाब, दिल्ली, जयपुर, मारवाड़, गुजरात, कंपनी स्कूल और दक्खनी उप पंथ जैसे गोलकोंडा, बिजापुर, बीदर और हैदराबाद. पांडुलिपियों में इतिहास, जीवनी, गणित, संगीत, खगोल-विज्ञान, चिकित्सा, दर्शन, भौतिक, रसायन, पशुपालन, शिकार, सैन्य, विज्ञान, विधि, साहित्य, पवित्र कुरान और अन्य संबंधित विषयों के विभिन्न पुस्तकें हैं.

अरबी पांडुलिपियां:

इस पुस्तकालय में अरबी पांडुलिपियां हैं. इसकी बड़ी विशेषता है कि बीजगणित (847 ई.) पर शरहूँ मुख्तसर अल मुख्तसर नामक गणित पर दुर्लभ कृतियां हैं. खगोल शास्त्र में पहला कार्य है - ग्लोब को बनाना तथा उसका प्रयोग करना (16वीं सदी), चिकित्सा के क्षेत्र में अविसेना (आईबीएन सिना) का किताबुल कैनून और प्राकृतिक इतिहास में हयातुल हैवान का उल्लेखनीय कार्य यहां उपलब्ध है. दर्शन के क्षेत्र में, रसैल इख्वानस साफा (16वीं सदी) का इन्सोक्लोपीडिया कार्य भी पुस्तकालय में उपलब्ध है. तर्क शास्त्र पर अल तजरिड फिल मंटिक, नसीरूद्दीन तुसी (1628 ई.सन) का प्रसिद्ध कार्य है तथा बादशाह जहाँगीर की इम्पीरियल पुस्तकालय से अला शारहिल मताली की पांडुलिपि की प्रति भी उपलब्ध हैं. यहां के संग्रहण में शिया और सुन्नी, यहूदी और सूफियों द्वारा आदियाह (प्रार्थना) में प्रयोग होने वाले इस्लाम के विचार की पांडुलिपि भी उपलब्ध है. सूफी सिद्धांत (दिली-1675 ई.) के प्रवर्तकों के परिचय पर तार्रुफ लि मधबिट तसव्वुफ़ एक दुर्लभ कृति है. अबु नसर का शब्दकोश साबब (1218 ई.) का प्राचीनतम संग्रह है. जै उल क्वायद का पर्यायवाची शब्दकोश (1576 ई.) का प्राचीनतम संग्रह है और निज़ाम-II की अवधि के दौरान शब्द साधन विषय पर लिखा गया अस शाफिया पर वाक्य विचार, पुस्तकालय की महत्वपूर्ण उपलब्धि हैं.

फारसी पांडुलिपियां:

फारसी भाषा के पांडुलिपियों का बृहत संकलन उपलब्ध हैं. सबसे अधिक उल्लेखनीय रौदातुल मुहिब्बिन है, जिसमें बुखारा परम्परा के बीस उद्धरण दिए गए हैं और प्रख्यात सुलेखक मीर अली हरवी ने लिप्यांतरण किया है. सुन्नी कामेंटरी सबसे पुरानी पांडुलिपि अल बसैर फिल वुजुह वन नज़ीर है, जो अरबी नक्ष में 1207 ई. में लिखा गया है. तसव्वुफ पर, बहुमूल्य और उपयोगी ग्रंथ का लिप्यंतरण 1588 ई. में बयाज़िद बुस्तामी ने किया. कला, विज्ञान, भविष्यवाणी, ज्योतिषी, जादू और धनुर्विद्या विषयों पर भी पांडुलिपियां उपलब्ध हैं. कृषि पर पुरानी पांडुलिपि और बहुमूल्य एवं अर्ध बहुमूल्य पत्थरों पर कई पांडुलिपियां हैं.

सुलेखन कला पर संग्रहालय में अनेकों पांडुलिपियां हैं, पाक कला पर दो पांडुलिपियां, जो शाहजहाँ के लिए दस्तूर - ए - पुख्तान एल अतामाह नाम से रचित है. इत्र (सुंगधित तेल) बनाने के बारे में भी प्राचीन पांडुलिपियां हैं. चिकित्सा के क्षेत्र में प्राचीनतम अरबी भाषा का फारसी में अनुवाद मुहम्मद-अर-रादि द्वारा शाहजहाँ के लिए लिखी गयी तरजुमा-ए-मिन्हजुल उपलब्ध हैं. संग्रहालय में भारत में लिपिबद्ध सबसे पुरानी चिकित्सा इन्सिक्लोपीडिया उपलब्ध है. पशु चिकित्सा विज्ञान में पशुओं की चिकित्सा पर उपलब्ध प्राचीनतम पांडुलिपियां मौलजा-ए-जानवरान है और यह फ़िरोज शाह (1281 ई.) को समर्पित है

ऊर्दू, तुर्कि, पुश्तु, हिंदी और उड़िया पांडुलिपियां

सालारजंग संग्रहालय में विभिन्न विषयों से संबंधित उर्दू की पांडुलिपियां हैं, जिनमें राजा मुहम्मद कुली द्वारा रचित दीवान-ए-कुली कुतुब शाह और इब्राहिम आदिल शाह द्वारा नुरूस, अंकगणित पर "लीलावती" नामक दुर्लभ पांडुलिपियां उपलब्ध हैं. तुर्कि में 25 पांडुलिपियां, कुछ हिंदी में और फारसी लिपि में, कुछ पन्ने जैन कल्पसूत्र और कुछ भोज पत्र उड़िया, संस्कृत और तेलुगु में इतिहास, चिकित्सा, तंत्र और कविता के बारे में उपलब्ध हैं.

संग्रहालय के क्रियाकलाप:
शिक्षा विभाग
सालारजंग संग्रहालय के शिक्षा विभाग में निम्नलिखित शाखाएं हैं :-

- शिक्षा
- प्रकाशन.
- जनसंपर्क

प्रत्येक शाखा के क्रियाकलाप नीचे दर्शाए गए हैं :-

1.शिक्षा

(क) अस्थाई प्रदर्शनियां
विशेष प्रदर्शनियां, त्यौहार प्रदर्शनियां, चल प्रदर्शनियां

(ख) व्याख्यान
मासिक व्याख्यान, अतिथि व्याख्यान, दीर्घा परिचर्चा
ग्रीष्मकालीन कला शिविर, बाल सप्ताह, संग्रहालय सप्ताह

(ग) अन्य गतिविधियां
ग्रीष्मकालीन कला शिविर, बाल सप्ताह, संग्रहालय सप्ताह
राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियां, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कार्यशालाएं

(घ) संरक्षण और क्यूरेटोरियल गतिविधियां

(च) शैक्षणिक पाठ्यक्रम
संग्रहालय शास्त्र में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद के सहयोग से),
आंतरिक कर्मियों और स्कूल के अध्यापकों के लिए प्रशिक्षण

प्रलेखन

विषयसूची कार्ड तैयार करना, मास्टर लेजरों का रख-रखाव, संग्रहालय वस्तुओं का कंप्यूटरीकरण, दीर्घा सी डी तैयार करना.

प्रकाशन

गाईड पुस्तकें, ब्रोशर, पैम्फलैट, द्विवार्षिक एसजेएम पत्रिका तैयार करना व मुद्रण, संग्रहालय स्मारिकाओं का (पोस्ट कार्ड, पोस्टर, प्रतिकृतियां आदि) मुद्रण, कैटलॉग पुस्तकें तैयार करना व मुद्रण और ब्रिक्री काउंटरों की देखभाल. संग्रहालय शॉप के परिचालन का कार्य भारतीय हस्तकला और हथकरघा निर्यात निगम लिमिटेड को दिया गया है.

जनसंपर्क

किसी भी संग्रहालय के लिए जनसंपर्क सबसे महत्वपूर्ण विषय है. इस शाखा के अंतर्गत सामान्य और अति विशिष्ट पर्यटकों को नि:शुल्क गाईड सेवा प्रदान की जाती है. सामान्य पर्यटकों और विशेष आवश्यकता वाले व्यक्तियों को उचित सुविधाएं दी जाती हैं.पर्यटकों के लिए सुझाव पुस्तिकाएं उपलब्ध कराई गई है, जिनके माध्यम से पर्यटकों के सुझावों पर विचार किया जाता है. जनसंपर्क की मुख्य गतिविधियां हैं: संग्रहालय गाइडिंग, दीर्घा परिचर्चा, स्वागत, अन्य एजेंसियों जैसे एएसआई, पर्यटन विभाग के साथ जनसंपर्क बनाए रखना.

रसायनिक संरक्षण स्कंध

रसायनिक संरक्षण स्कंध अमूल्य कलात्मक वस्तुओं का क्षति तथा खराबी से सुरक्षित परिरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. संरक्षण स्कंध अपने तकनीकी कर्मचारियों के साथ इन वस्तुओं के परिरक्षण और उपचार के लिए जिम्मेदार होता है. संग्रहालय में एक परिरक्षण इकाई भी है. रसायनिक संरक्षण स्कंध की निम्नलिखित गतिविधियां हैं :-

- दीर्घाओं में प्रदर्शित तथा भंडार (आरक्षित संग्रह) में परिरक्षित कलात्मक वस्तुओं का परीक्षण.
- प्रयोगशाला में, क्षति/खराबी के कारणों का पता लगाना.
- वस्तुओं के उपचार के लिए प्राथमिकताओं के आधार पर अनुवर्ती कार्रवाई का निर्धारण और आवश्यक उपचार के प्रकार पर भी निर्णय लेना.
- वस्तु के लिए ऐसा उपचार करना जो परिरक्षक और निवारक दोनों प्रकार हो.

इंजीनियरी स्कंध

इंजीनियरी स्कंध की स्थापना वर्ष 1994 में हुई, जिसका उद्देश्य है. (i) सिविल और विद्युत दोनों कार्यों के निष्पादन का पर्यवेक्षण (ii) परिरक्षण की देख-भाल (iii) भवन अनुरक्षण जिसमें सिविल, जल आपूर्ति, मल-निकासी, वातानुकूलन, बागवानी विकास और अनुरक्षण शामिल है. इस समय इंजीनियरी स्कंध दीर्घाओं के पुनर्गठन परियोजना कार्य से संबद्ध है.

संग्रहालय कर्मचारी

परिरक्षक कर्मचारियों में क्युरेटर्स, उप-क्युरेटर्स और दीर्घा सहायक शामिल हैं. उनका मुख्य कार्य प्रदर्शन और भंडार में रखे कलावस्तुओं की उचित सुरक्षित अभिरक्षा सुनिश्चित करना और उनका प्रलेखन, दीर्घाओं का अनुरक्षण तथा आरक्षित संचयन. प्रदर्शनियों के आयोजन और दीर्घा व्यवस्था की देखभाल करने के लिए क्युरेटर्स जिम्मेदार है. इसके अलावा यहां एक फोटोग्राफी सेक्शन भी है. वरिष्ठ गाइड प्राध्यापक तथा गाइड प्राध्यापक की सहायता से पर्यटकों के लिए गाइडेड दौरा आयोजित करते हैं और संग्रहालय का उद्गम तथा उसका महत्व और प्रदर्शन में रखी गई वस्तुओं के महत्व पर व्याख्यान देते हैं.

सालारजंग संग्रहालय अधिनियम - 1961

संसद के अधिनियम 1961 की सं.26 द्वारा सालारजंग पुस्तकालय के साथ-साथ सालारजंग संग्रहालय को राष्ट्रीय महत्व का संस्थान के रूप में घोषित किया गया और इसके प्रशासन एवं अन्य संबंधित मामलों को सांविधिक निकाय को सौंपा गया है, जिसे "सालारजंग संग्रहालय बोर्ड" कहा जाता है.

सालारजंग संग्रहालय नियम - 1961

सालारजंग संग्रहालय नियम भारत सरकार द्वारा सालारजंग संग्रहालय बोर्ड से परामर्श कर बनाए जाते हैं और संसद को भेजे जाते हैं. (सालारजंग संग्रहालय अधिनियम 1961 की धारा 27 की उपधारा 1 और 3).

सालारजंग संग्रहालय विनियम - 1962

सालारजंग संग्रहालय विनियम बोर्ड द्वारा भारत सरकार के परामर्श से बनाए जाते हैं. (सालारजंग संग्रहालय अधिनियम 1961 की धारा 28 की उपधारा 1).

सालार जंग संग्रहालय बोर्ड का गठन

संग्रहालय का प्रशासन, सालारजंग संग्रहालय बोर्ड नामक सांविधिक निकाय को सौंपा गया है, जिसके अध्यक्ष तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के महामहिम राज्यपाल, पदेन अध्यक्ष और भारत सरकार व तेलंगाना राज्य सरकार का प्रतिनिधित्व करने वाले दस अन्य व्यक्ति इसके सदस्य होंगे. तदनुसार संग्रहालय के कार्यकलापों का प्रबंधन सालारजंग संग्रहालय बोर्ड द्वारा किया जाता है.

बोर्ड अपने कार्यकारी और वित्तीय समिति के सहयोग से प्रमुख प्रशासनिक, वित्तीय और विकास गतिविधियों पर निर्णय लेता है. इस बोर्ड में निम्नलिखित सदस्य हैं :-

I. बोर्ड का गठन

(सालारजंग संग्रहालय अधिनियम, 1961 की धारा 5 (i) (क) से (ज) तक)

(क) तेलंगाना राज्य के राज्यपाल -	**पदेन अध्यक्ष के रूप में**
(ख) संबंधित मंत्रालय में भारत सरकार के प्रतिनिधि जो सालार जंग संग्रहालय से संबंधित कार्य देखते हो और जो उप सचिव के स्तर से कम न हो	**पदेन**
(ग) महापौर, हैदराबाद नगर निगम,	**पदेन**
(घ) उस्मानिया विश्वविद्यालय के कुलपति।	**पदेन**
(ङ) महालेखाकार (ए एंड ई) , आंध्र प्रदेश,	**पदेन**

(च) केंद्र सरकार द्वारा एक नामित व्यक्ति, जो स्वर्गीय नवाब सालार जंग बहादुर (जिनका देहांत दिनांक2 मार्च,1949 को हुआ था) के परिवार का सदस्य हो.

(छ) केंद्र सरकार द्वारा नामित तीन व्यक्ति जिन्हें यथा संभव संग्रहालय तथा पुस्तकालयों से संबंधित प्रशासनिक मामलों का अनुभव हो.

(ज) राज्य सरकार के द्वारा नामित दो व्यक्ति.

बोर्ड के नामित सदस्यों अर्थात: (च) (छ) और (ज) की कार्य अवधि पांच वर्ष की होगी.

वर्ष 2015 - 16 के लिए बोर्ड के सदस्यों के नाम निम्नानुसार है:-

1. **श्री ई.एस.एल.नरसिम्हन,**
   महामहिम राज्यपाल, तेलंगाना राज्य, हैदराबाद.
2. **श्री रविंद्र सिंह, भा.प्रशा.सेवा,**
   सचिव, भारत सरकार, सांस्कृतिक मंत्रालय,
   नई दिल्ली.
3. **महापौर**
   हैदराबाद महानगर पालिका निगम, हैदराबाद.
4. **कुलपति, उस्मानिया विश्वविद्यालय,**
   हैदराबाद.
5. **श्री प्रविंद्र यादव**
   महालेखाकार, (ए एंड ई)
   तेलंगाना राज्य, हैदराबाद.
6. **नवाब एहतरम अली खान,**
   सदस्य, सालार जंग परिवार,
   घर नं. 9-4-2, टोली चौकी, हैदराबाद-500 008
7. **श्री दिवाकर बी. गांधी,**
   सैनिक फार्म,
   नई दिल्ली.
8. **श्री सैय्यद ज़ाकिर हुसैन,**
   घर नं. 9-5-48/8/ए, बशीरबाग़,
   हैदराबाद.
9. **श्रीमती फौज़िया अहमद,**
   लहारु हौस, सिविल लाइन्स
   जयपूर - 302 006.
10. **डॉ. इमानी शिवा रेड्डी,**
    निदेशक, राज्य कला दीर्घा,
    माधापूर, हैदराबाद - 500 060.
11. **श्री के. जितेंद्र बाबु ,**
    दक्क़न पुरातन व संस्कृति संस्थान,
    हैदराबाद.
12. **श्रीमती एम. श्रीमणी, विशेष अमंत्रित**

कार्यकारी और वित्त समितियां बोर्ड की सहायता करती हैं.

कार्यकारी समिति का गठन

कार्यकारी समिति में निम्नलिखित शामिल है:

i) पदेन अध्यक्ष के रूप में उस्मानिया विश्वविद्यालय के कुलपति और

ii) बोर्ड द्वारा चार मनोनीत सदस्य

सदस्य:

1. कुलपति, उस्मानिया विश्वविद्यालय — पदेन अध्यक्ष
   हैदराबाद.
   श्री वी सुरेश कुमार ने 22 मई 2015 को आयोजित पहली बैठक में प्रभारी कुलपति, उस्मानिया विश्वविद्यालय के स्थान पर सदस्य के रूप में प्रतिनिधित्व किया है.
2. श्री प्रविंद्र यादव, आईए व एएस., — सदस्य
   महालेखाकार, (ए एंड ई)
   आंध्र प्रदेश, हैदराबाद.
3. नवाब एहतरम अली खान — सदस्य
   माननीय सदस्य, सलारजंग संग्रहालय बोर्ड
4. श्री सैय्यद ज़किर हुसैन, — सदस्य
   माननीय सदस्य, सलारजंग संग्रहालय बोर्ड
5. निदेशक (संग्रहालय) — सदस्य
   भारत सरकार, संस्कृति मंत्रालय,
   नई दिल्ली.
   संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा मनोनीत

वर्ष के दौरान, कार्यकारी समिति की दो अवसरों पर अर्थात: दि. 22 मई और 7 अक्तूबर, 2015 को बैठकें संपन्न हुई.

वित्त समिति का गठन

वित्त समिति में निम्नलिखित शामिल है:

i) महालेखाकार, आंध्र प्रदेश	पदेन अध्यक्ष
ii) अध्यक्ष, सालार जंग संग्रहालय बोर्ड द्वारा मनोनीत बोर्ड के सदस्य	
iii) कुलपति, उस्मानिया विश्व विद्यालय, हैदराबाद	सदस्य
iv) संस्कृति विभाग के वित्तीय सलाहकार या उनके प्रतिनिधि जो उप वित्तीय सलाहकार के स्तर से कम न हो	पदेन सदस्य
v) संस्कृति विभाग द्वारा मनोनीत	पदेन सदस्य
vi) निदेशक, सालार जंग संग्रहालय,	सदस्य / सचिव

सदस्य:

1. श्री प्रविंद्र यादव, आईए व एएस., — अध्यक्ष
   महालेखाकार, (ए एंड ई)
   आंध्र प्रदेश, हैदराबाद.
2. कुलपति, उस्मानिया विश्वविद्यालय, — सदस्य
   हैदराबाद
3. वित्तीय सलाहकार (आई.एफ.डी.) — सदस्य
   एकीकृत वित्त मंडल,
   भारत सरकार, संस्कृति मंत्रालय,
   शास्त्रि भवन, नई दिल्ली.
4. निदेशक (संग्रहालय) — सदस्य
   भारत सरकार, संस्कृति मंत्रालय,
   नई दिल्ली.
5. श्री के. जितेंद्र बाबु, — सदस्य
   (अध्यक्ष, सालार जंग संग्रहालय बोर्ड द्वारा मनोनीत बोर्ड के सदस्य)
6. डॉ. ए. एन. रेड्डी — सदस्य/सचिव
   निदेशक प्रभारी,
   सालारजंग संग्रहालय

वर्ष के दौरान वित्त समिति दो अवसरों पर अर्थात: 29 जून और 7 अक्तूबर, 2015 को कार्यसूची पर चर्चा की और निर्णयों से अवगत कराया.

भवन सलाहकार समिति

सालारजंग संग्रहालय विनियम- 1962 के विनियम 20 के अनुसार, भवन सलाहकार समिति बोर्ड की सहायता करती है
बोर्ड द्वारा दि. 26 सितंबर, 2014 के आर. नं.I. 1/2014 के अनुसार भवन सलाहकार समिति के सदस्य नामित किए गए है. वर्ष 2015-16 के लिए भवन सलाहकार समिति के सदस्य निम्नानुसार है:

1. कुलपति, — अध्यक्ष
   उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद
2. महालेखाकार (ए और ई) — सदस्य
3. श्रीमती फ़ौज़िया अहमद खान — सदस्य
4. डॉ.ई.शिव नागी रेड्डी — सदस्य
5. निदेशक (संग्रहालय) — सदस्य
   संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार,
6. जेएनटीयू के प्रोफेसर — सदस्य
   फाइन आर्टस कॉलेज
7. निदेशक, — सदस्य
   सालारजंग संग्रहालय

भवन सलाहकार समिति की बैठक दि: 7 अक्तूबर, 2015 को आयोजित हुई और इस बैठक में संग्रहालय के विकास से संबंधित मामलों पर चर्चा की गई.

वित्तीय स्थिति - एक नज़र में
गैर योजना 2015 - 2016

(लाख रु. में)

अथशेष	प्राप्त अनुदान	गेट प्राप्तियां अन्य	कुल	व्यय	कुल
–	1090.00	355.22	1445.22	(क) वेतन और भत्ते	1022.85
				(ख) अग्रिम	9.91
				(ग) अन्य प्रभार / अनुरक्षण	315.47
			1445.22		1348.23

दर्शक

वित्तीय वर्ष 2010-11 से 2015-16 के दौरान दर्शकों की संख्या दर्शाने वाला तुलनात्मक विवरण निम्नानुसार है :-

वित्त वर्ष	भारतीय दर्शक	गैर-भारतीय दर्शक	राजस्व रु. में
2010 -11	11,51,932	10,258	1,15,89,750
2011 - 12	12,11,289	10,509	1,22,44,515
2012 - 13	12,72,412	10,898	1,28,44,245
2013 - 14	11,04,702	9,987	1,13,12,705
2014 - 15	12,56,278	9,509	1,25,27,870
2015 - 16	**13,20,120	8,803	2,04,02,955

**(13,20,120 दर्शकों में 3,05,754 बच्चे (अठारह वर्ष से कम आयु के बच्चे) शामिल है, जिन्हें दि 01.08.2015 से संग्रहालय में निशुल्क प्रवेश दिया गया.)

वर्ष के दौरान 13,28,923 (8,803 गैर-भारतीय दर्शकों को मिलाकर) दर्शकों ने संग्रहालय का दर्शन किया. प्रवेश टिकटों की बिक्री के जरिए कुल 2,04,02,955/- रु. (गैर- भारतीय दर्शकों से प्राप्त 35,88,800/- रु. को मिलाकर) का राजस्व प्राप्त हुआ.

(क) संग्रहालय में वर्ष 2015-16 के दौरान निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए गए
अस्थाई प्रदर्शनियां

1. संग्रहालय द्वारा डॉ.बाबा साहेब अंबेडकर की 125 वीं जयंति के अवसर पर दि.14 अप्रैल, 2015 को **"डॉ.बाबा साहेब अंबेडकर"** विषय पर एक फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया गया. इस प्रदर्शनी में 123 फोटोग्राफ प्रदर्शित किए गए. प्रदर्शनी को दि. 30 अप्रैल, 2015 तक दर्शकों के लिए खुला रखा गया.

2. विश्व धरोहर दिवस के अवसर पर संग्रहालय द्वारा दि. 18 अप्रैल, 2015 को **"पीली द्वारा हैदराबाद निर्मित धरोहर"** विषय पर एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया. इस प्रदर्शनी का उद्घाटन **पद्मश्री जगदीश मित्तल** द्वारा किया गया. इस प्रदर्शनी में मुरुगन पीली द्वारा बनाए गए हैदराबाद की सांस्कृतिक धरोहर को दर्शाने वाले लगभग 50 स्केच प्रदर्शित किए गए. इस प्रदर्शनी को दि. 30 अप्रैल, 2015 तक दर्शकों के लिए खुला रखा गया.

3. संग्रहालय द्वारा दि. 18 मई, 2015 को **"जामिनी रॉय"** पर एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया. इस प्रदर्शनी का उद्घाटन **पद्मश्री जगदीश मित्तल** द्वारा किया गया. जामिनी रॉय पर एक फिल्म दिखाई गई. दि. 19 मई, 2015 को जामिनी रॉय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया. (i) ललित कला विद्यार्थियों के लिए दि. 19 मई, 2015 को और (ii) स्कूली बच्चों के लिए दि. 20 मई, 2015 को कला शिबिर का आयोजन किया गया. इस प्रदर्शनी को दि. 31 मई, 2015 तक दर्शकों के लिए खुला रखा गया.

4. अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस के अवसर पर सालारजंग संग्रहालय के संकलन से **"चीनी मिट्टी के बर्तनों के माध्यम से दृष्टीगत भारत-चीन व्यापार लिंक"** पर संग्रहालय द्वारा एक विशेष प्रदर्शनी का आयोजन किया गया. प्रॉजेक्ट के भाग के रूप में **"मौसम"** जो दि. 18 मई, 2015 को उद्‌घाटित किया गया. इस प्रदर्शनी को दि. 31 मई, 2015 तक दर्शकों के लिए खुला रखा गया.

5. सालारजंग-III की 126 वीं जयन्ती के अवसर पर संग्रहालय द्वारा दि. 14 जून, 2015 को **"नवाब सालारजंग बहादूर - और उनके समय के चित्र"** विषय पर एक विशेष फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया गया. इस प्रदर्शनी का उद्‌घाटन श्री मोहम्मद महमूद अली, तेलंगाना राज्य के उप मुख्य मंत्री द्वारा किया गया. सालारजंग संग्रहालय बोर्ड के माननीय बोर्ड सदस्य नवाब एहतरम अली खान, श्री सय्यद ज़कीर हुसैन और के.जितेंद्र बाबु उद्‌घाटन कार्यक्रम और प्रदर्शनी में अतिथि के रूप में उपस्थित थे.

6. दि. 26 जून, 2015 को डॉ. एन रमेश कुमार, भा.प्रशा.से., तेलंगाना व आं.प्र. राज्यपाल के विशेष प्रमुख सचिव द्वारा डॉ. राजेश पुरोहित, निदेशक, इलाहाबाद संग्रहालय की उपस्थिति में **"रहस्यवादी संसार की खोज में"** निकोलास और स्वेतोस्लाव रॉयरिच के इलाहाबाद संग्रहालय के मूल चित्रों पर एक विशेष चल प्रदर्शनी का उद्‌घाटन किया गया. इस विशेष प्रदर्शनी को दि. 26 जुलाई, 2015 तक दर्शकों के लिए खुला रखा गया.

7. सालारजंग संग्रहालय, हैदराबाद द्वारा **"यशस्वी कुरान"** पर एक विशेष फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसे दि. 14 जुलाई, 2015 को महामहिम आगा हस्सन नूरैन, इरान इस्लामिक गणतंत्र के महावाणिज्यदूतावास द्वारा उद्‌घाटन किया गया. माननीय बोर्ड सदस्य नवाब एहतरम अली खान, श्री सय्यद ज़कीर हुसैन और के.जितेंद्र बाबु उपस्थित हुए. इस प्रदर्शनी को दि. 24 जुलाई, 2015 तक दर्शकों के लिए खुला रखा गया.

8. संग्रहालय द्वारा **"बोनालु"** पर एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया जिसे दि. 5 अगस्त, 2015 को उद्‌घाटित किया गया. इस प्रदर्शनी को दि. 12 अगस्त, 2015 तक दर्शकों के लिए खुला रखा गया.

9. भारत के स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर संग्रहालय द्वारा दि. 14 अगस्त, 2015 को एक विशेष फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया गया.

10. संग्रहालय द्वारा **"श्रीमती सुरभी वाणी देवी की चित्रकारी"** पर एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया. जिसे उन्हीं के द्वारा दि.3 सितंबर, 2015 को उद्‌घाटित किया गया. इस प्रदर्शनी को दि.12 सितंबर, 2015 तक दर्शकों के लिए खुला रखा गया.

11. संयुक्त राष्ट्र विभाग के सहयोग से, मेरिडियन अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, वाशिंगटन डी.सी. द्वारा दि. 4 सितंबर, 2015 को **"किंडर्ड राष्ट्र"** विषय पर एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया. इस प्रदर्शनी के लिए सालारजंग संग्रहालय, हैदराबाद द्वारा स्थान उपलब्ध कराया गया.

12. संग्रहालय द्वारा डीएवीपी के सहयोग से **"महात्मा गांधी"** पर एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया. इस प्रदर्शनी को दि. 1 अक्तूबर, 2015 को उद्‌घाटित किया गया.

13. संग्रहालय द्वारा धरोहर संरक्षण, स्मारकों, पर्यटन और सृष्टी फाउंडेशन के सहयोग से दि. 1 अक्तूबर, 2015 को **"हैदराबाद के मस्जिद और दरगा़ह"** पर एक विशेष फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया गया. इस प्रदर्शनी का उद्घाटन श्री मोहम्मद महमूद अली, तेलंगाना राज्य के उप मुख्य मंत्री द्वारा किया गया.

14. सालारजंग संग्रहालय द्वारा दि. 4-8 नवंबर, 2015 तक **"करबला के शहीदों की दर्गाहें"** विषय पर एक फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया गया. इस प्रदर्शनी का उद्घाटन सालारजंग संग्रहालय बोर्ड के माननीय सदस्य नवाब एहतरम अली खान द्वारा किया गया.

15. बाल सप्ताह समारोह के अवसर पर, संग्रहालय द्वारा विश्व शिलालेख, यूनेस्को के साथ दि. 10 नवंबर, 2015 को **"भारत के प्राकृतिक धरोहर स्थल"** विषय पर एक प्रदर्शनी लगाई गई. इस प्रदर्शनी में लगभग 45 फोटोग्राफ / चित्र प्रदर्शित किए गए.

16. विश्व धरोहर सप्ताह समारोह के अवसर पर, संग्रहालय द्वारा दि. 19 नवंबर, 2015 को **"भारत में विश्व धरोहर स्थल"** विषय पर एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया. इस प्रदर्शनी में लगभग 92 फोटोग्राफ / चित्र प्रदर्शित किए गए.

17. सालारजंग संग्रहालय द्वारा दि. 5 दिसंबर, 2015 को **"भारत रत्न डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर" "एक महान व्यक्तित्व का निधन"** पर एक विशेष फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया गया. इस प्रदर्शनी का उद्घाटन डॉ.एस.चेल्लप्पा, भा.प्रशा.से, अध्यक्ष, अनुसूचित जनजातियों का पूछताछ आयोग, तेलंगाना राज्य द्वारा किया गया.

18. सालारजंग संग्रहालय के **स्थापना दिवस समारोह** के अवसर पर, संग्रहालय द्वारा दि. 16 दिसंबर, 2015 को एक विशेष फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया गया.फोटो प्रदर्शनी.

19. संग्रहालय द्वारा दि. 7 जनवरी, 2015 को **"रंगोली भारत की रंगारंग और जीवंत कला"** विषय पर एक विशेष फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया गया. इस प्रदर्शनी का उद्घाटन प्रो. कविता देवासकर द्वारा किया गया.

20. दि. 11 जनवरी, 2015 को बिराड राजाराम याग्निक द्वारा इस्तांबुल-हैदराबाद-पैरिस तीन शहरों की राजकुमारियां **"अब और रफ़ात्स नहीं मरेंगे"** निलोफर राजकुमारी, पर एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया. सालारजंग संग्रहालय द्वारा स्थान उपलब्ध कराया गया.

21. सालारजंग संग्रहालय द्वारा जपान फॉउंडेशन के सहयोग से डॉ बिनॉय के.बेहल द्वारा दि. 27 फरवरी, 2016 को **"भारतीय देवताओं का जपान में पूजा जाना"** विषय पर एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया प्रदर्शनी के पहले व्याख्यान आयोजित किया गया और इस प्रदर्शनी को दि.6 मार्च, 2016 तक दर्शकों के लिए खुला रखा गया.

22. संग्रहालय द्वारा काकतिया धरोहर ट्रस्ट के संयोजन से दि. 8 मार्च, 2016 को **"लोक की देवी"** विषय पर एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया. इस प्रदर्शनी का उद्घाटन श्रीमती विमला नरसिम्हन, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश राज्य की प्रथम महिला द्वारा किया गया. चित्रों के संग्रह को श्री बी.नरसिंग राव द्वारा संपादित किया गया और श्री बिराड राजाराम याग्निक द्वारा क्यूरेट किया गया.

23. अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर श्रीमती चंद्रा सिन्हा द्वारा दि. 8 मार्च, 2016 को **"नदियां"** विषय पर एक विशेष प्रदर्शनी का आयोजन किया गया.

ख व्याख्यान

<u>सालारजंग संग्रहालय ने वर्ष के दौरान हैदराबाद की ऐतिहासिक सोसायटी के संयोजन से प्रतिमाह के द्वितीय शनिवार को व्याख्यान आयोजित किए.</u>

1. दि. 9 मई, 2015 को **"हैदराबाद के ऐतिहासिक रहस्योद्घाटन"** (बढ़ंगपेट के मंदिर, बालापूर के ईदगाह और मकबरे) विषय पर पॉवर पॉइंट प्रस्तुतीकरण सहित एक व्याख्यान आयोजित किया गया. डॉ.आनंद राज वर्मा, भूतपूर्व प्रिंसिपल, अनवरुल-उलूम कॉलेज और हैदराबाद के ब्रांड एंबैसडर ने व्याख्यान दिया.

2. दि. 13 जून, 2015 को **"अमेरिकी संग्रहालय तथा अमेरिकी धरोहर एवं इतिहास का मेरा अनुभव"** विषय पर पॉवर पॉइंट प्रस्तुतीकरण सहित एक व्याख्यान आयोजित किया गया. जनाब गियासुद्दीन अकबर, सामाजिक कार्यकर्ता ने व्याख्यान दिया

3. दि. 18 जून, 2015 को "आसफ जाही युग की लघु कथाएं" विषय पर डॉ. आनंद राज वर्मा, भूतपूर्व प्रिंसिपाल, अनवरुल-उलूम कॉलेज एवं हैदराबाद मेट्रो रेल परियोजना के ब्रांड एंबेसडर द्वारा एक अविस्मरणीय व्याखान आयोजित किया गया.

4. दि. 11 जुलाई, 2015 को संग्रहालय द्वारा **"तेलंगाना में लौह उद्योग - एक ऐतिहासिक दृष्टिकोण"** विषय पर पॉवर पॉइंट प्रस्तुतीकरण सहित एक व्याख्यान आयोजित किया गया. डॉ. एस. जयकिशन, सचिव एवं संवाददाता, भवन्स न्यू साइंस कॉलेज, नारायणगुडा, हैदराबाद द्वारा व्याख्यान दिया गया.

5. दि.8 अगस्त, 2015 को श्री आनंद पथाकोटी, जेएनएएफएयू के शैक्षणिक सहायक द्वारा **"चारमीनार - एक कवि का सपना"** विषय पर एक वृत्त चित्र दिखाया गया.

6. हैदराबाद की ऐतिहासिक सोसायटी के संयोजन से तथा संयुक्त राज्य महावाणिज्य दूतावास, हैदराबाद की भागीदारी से दि. 12 सितम्बर, 2015 को **"महिलाओं की आवाज़"** विषय पर कविता सस्वर पाठ एवं पैनल चर्चा का आयोजन किया गया. डॉ. हबीब निसार और डॉ. ज़हीदुल हख़ दोनों हैदराबाद विश्वविद्यालय से, डॉ. फातिमा परवीन, उस्मानिया विश्वविद्यालय से, सुश्री सेलिया बेल, कोलंबिया विश्वविद्यालय से, सुश्री जमीला निशात (मॉडरेटर), शाहीन महिला संसाधन और वेलफेयर एसोसिएशन से पैनल में शामिल थे.

7. दि. 12 दिसंबर, 2015 को डॉ.मोहम्मद द्वारा **"कुतुब शाहियों की धरोहर"** विषय पर एक व्याख्यान आयोजित किया गया.

8. दि. 9 जनवरी, 2016 को श्रीमती पी.अनुराधा रेड्डी, संयोजक, इंटैक, हैदराबाद चैपटर द्वारा **"इरानी खाका"** एक दृष्य यात्रा वृत्तांत पर एक पॉवर पॉइंट प्रस्तुतीकरण आयोजित किया गया.

9. दि. 17 जनवरी, 2016 को प्रो.फिलिप बी.वैगोनर द्वारा **"विजयी शहर"** "विजयनगर और बिजापूर में चालुक्य वास्तुशिल्प के जीवन के बाद" विषय पर एक सचित्र व्याख्यान आयोजित किया गया.

10. दि. 13 फरवरी, 2016 को प्रो.के.पी.राव, इतिहास विभाग के प्रोफेसर, हैदराबाद विश्वविद्यालय, गच्चीबावली, हैदराबाद द्वारा **"अमेरिकी व्यापार में भारत और पूर्वी एशिया पुरातात्विक साक्ष्य और पूर्वी तट से संपर्क"** विषय पर पॉवर पॉइंट प्रस्तुतीकरण सहित एक व्याख्यान आयोजित किया गया.

11. दि. 12 मार्च, 2016 को श्री बालसुब्रमणी (उडिसा बालु) द्वारा **"सिल्क और स्पाइस रूट के लिए एक केंद्र के रूप में दक्षिण भारतीय समुद्री व्यापार की महीमा"** विषय पर पॉवर पॉइंट प्रस्तुतीकरण सहित एक व्याख्यान आयोजित किया गया.

कार्यशालाएं:

- संग्रहालय द्वारा दि. 7 जनवरी, 2016 को **"पतंग बनाने"** पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया.
- छत्रपति शिवाजी महाराज वास्तु संग्रहालय द्वारा दि. 25 जनवरी, 2016 को सालारजंग संग्रहालय में **"शाही संरक्षण से निर्यात के लिए काम करता है दक्कनी लघु चित्रकला शैलियों का विकास"** पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया. सालारजंग संग्रहालय द्वारा स्थान उपलब्ध कराया गया.

ग अन्य गतिविधियां

ग्रीष्मकालीन कला शिविर :

दि. 18 मई से 1 जून, 2015 तक संग्रहालय द्वारा नियमित शैक्षणिक गतिविधियों के रूप में बच्चों के लिए "ग्रीष्मकालीन कला शिविर-2015" का आयोजन किया गया, जिसे दि. 18 मई, 2015 को उद्घाटन किया गया.

विद्यार्थियों को उनके आयु के अनुसार कनिष्ठ (8-11 वर्ष) और वरिष्ठ (12-15 वर्ष) के रूप में वर्गीकृत किया गया. बच्चों को विभिन्न विषयों जैसे : (1) पर्यावरण, प्रदूषण और योगा का महत्व, (2) आरेख (पेंसिल स्केच) और चित्रकारी (क्रेयॉन, पानी के रंग), (3) कपडों पर (फैब्रिक) चित्रकारी, (4) भारतीय कला और धरोहर जागरुकता, (5) कशीदाकारी और (6) एसयूपी डब्ल्यू आदि में प्रशिक्षण दिया गया.

सालारजंग संग्रहालय में दि 14 जून, 2014 को **नवाब मीर युसुफ अली खान बहादूर, सालारजंग - III की जयन्ती** मनाई गई. जनाब मोहम्मद महमूद अली, उप मुख्य मंत्री, तेलंगाना राज्य द्वारा जयन्ती समारोह का उद्घाटन किया. उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान, (क) संग्रहालय कर्मचारियों को उत्तम कर्मचारी पुरस्कार से सम्मानित किया गया और (ख) संग्रहालय कर्मचारियों के बच्चों को उनके शैक्षणिक लक्ष्य में अच्छे निष्पादन के लिए शैक्षणिक पुरस्कार भी दिए गए.

संग्रहालय द्वारा अवधी के दौरान निम्नलिखित समारोहो का आयोजन किया गया.

- दि 13.06.2015 को खदीर अली बेग थियेटर फाउंडेशन द्वारा "स्पेस" नाटिका मंचित की गई.
- दि 14.06.2015 को शरद गुप्ता द्वारा गज़ल कार्यक्रम आयोजित किया गया.
- दि 16.06.2015 को केंऔसुब के कर्मचारियों और उनके बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया.
- दि 17.06.2015 को संग्रहालय के कर्मचारियों और उनके बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया.

दि. 19 जून, 2015 को संग्रहालय में साप्ताहिक छुट्टी (शुक्रवार) होने के बावजूद दिव्यांग बच्चों के लिए संग्रहालय आधे दिन के लिए खुला रखा गया. नगर द्वय के विभिन्न संस्थानों से लगभग 170 बच्चे अपने अध्यापकों /पालकों के साथ संग्रहालय आये. संग्रहालय द्वारा उनके लिए आवश्यक सहायता और अल्पाहार की व्यवस्था की गई.

सालारजंग संग्रहालय द्वारा दि. 21 जून, 2015 को **"अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस"** मनाया गया. दि. 18 - 20 जून, 2015 तक अधिकारियों, कर्मचारियों और केंऔसुब के कार्मिकों द्वारा योग अभ्यास किया गया. कर्मचारियों और साथ ही आम जनता के लिए सभी तीन दिन योग पर फिल्म दिखाई गई. दि. 21 जून, 2015 को 7.00 से 7.30 बजे तक सामूहिक योग प्रदर्शन किया गया.

संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी परिपत्र के अनुसार, संग्रहालय द्वारा दि. 20.08.2015 को **"सदभावना दिवस"** मनाया गया. अधिकारियों और कर्मचारियों ने शपथ ग्रहण समारोह में भाग लिया.

हिंदी सप्ताह समारोह: सालारजंग संग्रहालय में दि. 7 से 14 सितम्बर 2015 तक हिंदी सप्ताह मनाया गया. उपर्युक्त अवसर पर, संग्रहालय द्वारा हिंदी वाक निबंध लेखन, डिक्टेशन, हिंदी कविता / देश भक्ति गीत प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया. दि. 21 सितम्बर 2015 को समापन समारोह का आयोजन किया गया और मुख्य अतिथि प्रो.एम.वेंकटेश्वर राव, सेवा निवृत्त, उस्मानिया विश्वविद्यालय द्वारा पुरस्कार वितरित किए गए.

सालारजंग संग्रहालय में दि. 21 अक्तूबर 2015 को बतुकम्मा उत्सव मनाया गया, जिसमें सभी कर्मचारी गण उपस्थित हुए.

संग्रहालय द्वारा दि. 31 अक्तूबर,.2015 को **"राष्ट्रीय एकता दिवस"** के रूप में सरदार वल्लभाई पटेल की जयंती मनाई गइ और 10.00 बजे शपथ ली गई. संग्रहालय के अधिकारियों और कर्मचारियों ने शपथ ग्रहण समारोह में भाग लिया तथा हिंदी और अंग्रेजी में शपथ ली.

बाल सप्ताह:

संग्रहालय द्वारा पंडित जवाहरलाल नेहरु जन्मदिवस के अवसर पर दि.14 से 21 नवम्बर, 2015 तक बाल सप्ताह समारोह मनाया गया. इस अवसर पर बच्चों के लिए वरिष्ठ (IXवीं से Xवीं कक्षा तक) और कनिष्ठ (VIवीं से VIIIवीं कक्षा तक) विद्यार्थियों के लिए चार भाषाओं में वाक, निबंध लेखन और आरेख प्रतियोगिताएं आयोजित किए गए. विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए. इन प्रतियोगिताओं में 30 स्कूलों से (वरिष्ठ और कनिष्ठ) 982 विद्यार्थियों ने भाग लिया

संग्रहालय ने दि. 31 अक्तूबर, 2014 को स्वर्गीय सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती को "राष्ट्रीय एकता दिवस" के रूप में मनाया तथा 10.00 बजे शपथ ली गई. संग्रहालय के अधिकारी और कर्मचारी इस कार्यक्रम में उपस्थित हुए और शपथ ग्रहण किया.

दि. 8 से 14 जनवरी, 2016 तक संग्रहालय सप्ताह समारोह मनाया गया.

(i) दि.11 जनवरी, 2016 को (तीन आयु ग्रूप) के महिलाओं के लिए अभिप्रायों पर बिंदी / भूदृष्यों के साथ पारंपरिक "रंगोली" प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. लगभग 47 महिलाओं ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया और विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए.

(ii) सालारजंग संग्रहालय के महिला कर्मचारियों ने दि. 12 जनवरी, 2016 को रंगोली बनाने की प्रतियोगिता में भाग लिया.

(iii) सालारजंग संग्रहालय के पुरुष कर्मचारियों ने दि. 12 जनवरी, 2016 को पतंग उत्सव में भाग लिया.
(iv) संग्रहालय सप्ताह के दौरान भारतीय दर्शकों के लिए (गैर-भारतीयों को छोडकर) प्रवेश में 50% की छूट दी गई.

गणतंत्र दिवस:

सालारजंग संग्रहालय द्वारा 26 जनवरी, 2016 को गणतंत्र दिवस मनाया गया. निदेशक प्रभारी, सालार जंग संग्रहालय ने के.औ.सु.ब. के सुरक्षा कर्मियों की सलामी ली.

i) संगठन द्वारा वार्षिक लेखा और लेखा परीक्षा रिपोर्ट समय पर तैयार करने / संसद में प्रस्तुत करने में आने वाली बाधाओं पर राज्य सभा में कागज़ात प्रस्तुत करने वाली समिति (COPLOT) द्वारा हैदराबाद में एक अध्ययन दौरा आयोजित किया गया. सालारजंग संग्रहालय द्वारा दि. 30.01.2016 को समिति के समक्ष रिपोर्ट प्रस्तुत की गई.

राष्ट्रीय रिमोट सेंसिंग सेंटर ने अपने जियोपोर्टल www.bhuvan.nrsc.gov.in में 3डी डिजिटल वॉक थ्रू के लिए ग्राउंड डाटा की प्रोसेसिंग पूरी कर ली है और इसे http://bhuvan.hrsc.gov.in/map/bhuvanrsc/3dview/sm.html. में रखा गया है.

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस:

संग्रहालय द्वारा दि 8 मार्च, 2015 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया. श्री अजायब सिंह आईए & एएस, प्रमुख निदेशक, लेखा परीक्षा (सेंट्रल), हैदराबाद ने इस समारोह का उदघाटन किया. इस अवसर पर डॉ.आर.वी.एस.एस.अवधानुलु, मुख्य कार्यकारी, सुश्री वेदाभारती मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए.

(क) श्री एन रामा.मूर्ति, व्यवसायिक रूप से चार्टर्ड अकाउंटेन्ट ओर आकाशवाणी तथा दूरदर्शन के 'ए' ग्रेड कलाकार द्वारा एक कर्नाटक संगीत समारोह का आयोजन किया गया
(ख) ब्रह्मकुमारी अनीता द्वारा "अच्छे और शांतिपूर्ण जीवन" पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया गया

स्वच्छ भारत :

मंत्रालय के निदेशों के अनुपालन में, संग्रहालय और उसके परिक्षेत्र में स्वच्छता बनाए रखने हेतु विभिन्न गतिविधियों के लिए "स्वच्छ भारत" अभियान के परियोजना में के.औ.सु.ब. कर्मियों सहित अधिकारियों और कर्मचारियों की टीम बनाई गई.

- संग्रहालय भवन, परिसर और भवनों की छतों की साफ-सफाई हेतु क्षेत्रों की पहचान करने के लिए अधिकारियों की एक टीम बनाई गई.
- "स्वच्छ भारत" अभियान के प्रति दर्शकों में जागरुकता लाने के लिए संग्रहालय भवन और परिसर, दर्शक क्षेत्र, केऔसुब कार्यालयों और बगीचों आदि में स्टिकर और पोस्टर प्रदर्शित किए गए.
- स्वच्छता बनाए रखने की आवश्यकता पर बच्चों में जागरुक्ता लाने के लिए स्कूलों में व्याख्यान आयोजित किए गए.

ये एक निरंतर प्रक्रिया है, महीने में कम से कम एक-दो गतिविधियां आयोजित की जाती है

घ संरक्षण और क्यूरेटोरियल गतिविधियां

रासायनिक संरक्षण प्रयोगशाला

अवधि के दौरान विभिन्न कोटि के 408 वस्तुओं का रसायनिक परिरक्षण और संरक्षण किया गया जिसमें, संगेमरमर की कलाकृतियां, वस्त्र, धातु, कैनवस तैल चित्र, सुलेख पट्टिकाएं, लगु चित्रकारी, पानी के रंगों के चित्र तथा लकडी की वस्तुएं शामिल है.

इसके अलावा रसायनिक प्रयोगशाला द्वारा 583 गैर-वस्तुओं जैसे: उर्दू की मुद्रित पुस्तकों को रसायनों से उपचार किया गया, रजिस्टरों की बैंडिंग की गई और फोटो माउंटिंग का कार्य पूरा किया गया.

पांडुलिपि अनुभाग

क्र.सं.	गतिविधियां	संख्या
1	दौरा करने वाले विद्वानों की संख्या	572
2	देखे गए पांडुलिपियों की संख्या	739
3	पांडुलिपियों का भौतिक सत्यापन	346

पुस्तकालय अनुभाग

क्र.सं.	गतिविधियां	संख्या
1	पुस्तकों का अभिगमन (नए संस्करण)	700
2	पुस्तकों का वर्गीकरण	700
3	सूची-पत्र प्रविष्टियां	700
4	पाठकों की संख्या	1427
5	देखी गई पुस्तकें	4008

उपर्युक्त के अलावा, पुस्तकालय के कर्मचारियों ने पाठकों की सेवा और सामान्य साफ-सफाई, पुस्तकों का सुरक्षित रख-रखाव इत्यादि का कार्य भी किया.

डिजिटाइज़ेशनं

जतन (संग्रहालय कलाकृतिया का डिजिटाइज़ेशन)

अभी अवधि के दौरान कुल 6,425 कलाकृतियों को जतन कलेक्शन प्रबंधन सॉफ्टवेयर में प्रकाशित किया गया है. अभी तक कुल 13,901 कलाकृतियों को जतन में प्रकाशित किया गया है.

विकासशील गतिविधियां

ऊर्जा बचत उपाय

i. संग्रहालय द्वारा जुलाई 2015 के दौरान सोलार पॉवर प्लांट 5x100 किवॉं की स्थापना की गई.

ii. 70 लाख रुपए की लागत से अतिरिक्त 100 किवॉ सोलार पॉवर प्लांट की योजना बनाई गई है.

iii 90% दीर्घाओं को एलईडी प्रकाश प्रणाली सहित आधुनिकीकृत किया गया है .

iv. सात कंवेंश्नल एएचयू को नए एएचयू से बदले गए है.

v. पॉवर फैक्टर पैनलों को बदला गया है.

उपर्युक्त उपायों से, संग्रहालय द्वारा वर्ष 2015-16 के दौरान बिजली के बिलों में 50.00 लाख रुपयों की बजत कर पाएगा ।

सुरक्षा का उन्नयन

संग्रहालय में 24x7 उन्नत सीसीटीवी निगरानी प्रणाली उपलब्ध है. वर्ष 2015-16 के दौरान इस प्रणाली की स्मृति क्षमता को 10 दिनों से 30 दिनों तक बढाई गई है.

अमानती सामान घर भवन

अमानती सामान घर के लिए भवन, उन्नत रेस्टोरेंट और एक लघु प्रदर्शनी हॉल का निर्माण कार्य प्रगति पर है

****

वार्षिक लेखा
वर्ष
2015-2016
के लिए

वर्ष 2015 - 2016 के लिए सालार जंग संग्रहालय बोर्ड का वार्षिक लेखा

विषयसूची

क्र.सं.	विवरण	अनुसूची सं.	पृष्ठ सं. से -तक
1	तुलन पत्र		36
2	आय और खर्च लेखा		37
3	प्राप्तियां व भुगतान लेखा		38-39
अनुसूचियां - तुलन पत्र			
4	कार्पस /पूंजीगत निधि	1	40
5	रिजर्व और अधिशेष	2	40
6	चिह्नित निधि	3	41
7	प्रारक्षित ऋण व उधार	4	41
8	गैर-प्रारक्षित ऋण व उधार	5	41
9	आस्थगित चालू दायिता	6	42
10	चालू दायिता / प्रावधान	7	42
11	नियत परिसंपत्ति	8	43-44
12	चिह्नित/धर्मदाय निधि से निवेश	9	45
13	निवेश - अन्य	10	45
14	चालू परिसंपत्तियां, ऋण, अग्रिम	11	46
अनुसूचियां - आय और खर्च लेखा			
15	विक्रय/सेवाओं से आय	12	47
16	अनुदान/परिदान	13	47
17	शुल्क /अभिदान	14	47
18	निवेश से आय	15	48
19	रायल्टी, प्रकाशन आदि से आय	16	48
20	अर्जित ब्याज	17	48
21	अन्य आय	18	49
22	नियत परिसंपत्तियों के क्रय पर आय	18क	49
23	तैयार माल के स्टाक में घट-बढ व चालू कार्य	19	49
24	स्थापना व्यय	20	50
25	अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	21	51
26	केंऔसुब के भुगतान	21क	52
27	पूर्ववर्ति अवधि समायोजन	21ख	52
28	अनुदान, परिदान आदि पर व्यय	22	52
29	ब्याज	23	52
लेखा पर टिप्पणियां			
30	विशिष्ट लेखा नीतियां और लेखा पर टिप्पणियां	24	53-54
31	आकस्मिक दायिता व लेखा पर टिप्पणियां	25	55-56
32	अन्य जमा, कर्मचारी अग्रिम व बयाना धन जमा	अनुबंध	57
कर्मचारी - सामान्य भविष्य निधि लेखा			
33	सामान्य भविष्य निधि तुलन पत्र		58
34	सामान्य भविष्य निधि शेष प्राप्तियां और भुगतान लेखा		58
35	सामान्य भविष्य निधि के अंशदान की अनुसूची		58
36	सामान्य भविष्य निधि जमा व निकासी की अनुसूची		59
37	सामान्य भविष्य निधि निवेश की अनुसूची		59
38	लेखा परीक्षा रिपोर्ट		60-64

वित्तीय विवरणी (गैर - लाभ संगठन)
सालार जंग संग्रहालय
दि. 31 मार्च 2016 को तुलनपत्र

(राशि-रुपयों में)

कार्पस/पूंजी, निधि और दायिता	चालू वर्ष	पिछला वर्ष	अनुसूची
कार्पस/पूंजी निधि	641825414	634810586	1
रिजर्व और अधिशेष			2
चिह्नित/धर्मदाय निधि	186261	186261	3
प्रारक्षित ऋण और उधार			4
गैर प्रारक्षित ऋण और उधार			5
आस्थगित चालू दायिता			6
चालू दायिता	23745322	4960304	7
कुल - दायिता	**665756997**	**639957151**	
परिसंपत्तियां			
नियत परिसंपत्तियां			
सकल कुल	815872735	773711413	
घटाएं: मूल्यह्रास	258842223	229355602	
सकल कुल:	557030512	544355811	
जोड : चल रहे पुंजीगत कार्य	**59529439**	**44578500**	
कुल नियत परिसंपत्तियां:	**616559951**	**588934311**	**8**
चिह्नित/धर्मदाय निधियों से निवेश	186261	186261	9
निवेश - अन्य			10
रद्दी परिसंपत्तियां		0	10क
चालू परिसंपत्तियां, ऋण, अग्रिम आदि.	49010785	50836579	11
विविध व्यय			
(समायोजन किया गया या बट्टे			
खाते में न डाला गया)			
कुल - परिसंपत्तियां,	**665756997**	**639957151**	

सालार जंग संग्रहालय
दि. 31 मार्च 2016 को समाप्त वर्ष के लिए आय और खर्च का लेखा

(राशि-रुपयों में)

आय	चालू वर्ष		पिछला वर्ष		अनुसूची
बिक्री/सेवाओं से आय		25751845		17050220	12
केंद्र सरकार से प्राप्त अनुदान :					
वर्ष के लिए प्राप्त अनुदान : योजना -					
सामान्य	96000000		87500000		
योजना - सीसीए	35000000	-	47500000	-	
गैर-योजना - सामान्य	26500000	-	9950000	-	
गैर-योजना - वेतन	82500000		100000000		
कुल योजना व गैर-योजना)	240000000		244950000		13
घटाएं: अप्रयुक्त अनुदान	-	-	-	-	
योजना – सामान्य	7929000			-	
गैर-योजना – वेतन	9699000				
वर्ष के दौरान अप्रयुक्त कुल अनुदान	17628000				
वर्ष के दौरान प्रयुक्त निवल अनुदान	222372000		244950000		
घटाएं: पूंजीगत लेखाओं के लिए प्रयुक्त अनुदान कार्पस/पूंजीगत निधि को अंतरित:	35000000		47500033		8
राजस्व लेखाओं के लिए प्रयुक्त अनुदान :		187372000		197449967	
शुल्क/अभिदान					14
निवेश से आय (चिह्नित निधि से निवेशों पर आय)					15
शुल्क/अभिदान					
चिह्नित/धर्मदाय निधि से					
आय निधि लेखा को अंतरित					
रायल्टी, प्रकाशन आदि से आय		145040		151207	16
अर्जित ब्याज		6709857		5633488	17
अन्य आय		3427140		2362420	18
स्थायी परिसंपत्ति की बिक्री से प्राप्त रकम		-		-	-
कुल आय		**223405882**		**222647302**	
व्यय					
स्थापना व्यय		102284998		96792855	20
प्रशासनिक व अनुरक्षण व्यय		47011686		45292431	21
सीआईएसएफ पर व्यय		72344349		71887269	21क
अनुदान पर व्यय		-	-	-	-
रद्दी परिसंपत्तियों की बिक्री पर घाटा		-		79719	
मूल्य ह्रास		29486621		26433030	8
परिसंपत्तियों की तिथि समाप्ति पर अतिरिक्त			(-)		-
मूल्य ह्रास का प्रतिलेखन					-
पूर्व अवधि लेनदेन		263400		328174	21ख
कुल व्यय		**251391054**		**240813478**	
आय से अधिक व्यय का शेष				18166176	
अधिक आय		27985172			
विशेष रिज़र्व को अंतरित					
सामान्य रिज़र्व को अंतरित					
शेष (घाटा) कार्पस / पूंजीगत निधि को अग्रेनीत (अनुसूची 1 देखें)		**27985172**		**18166176**	

सालार जंग संग्रहालय
दि.31 मार्च 2016 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्तियां व भुगतान

(राशि रु.में)

प्राप्तियां	चालू वर्ष	पिछला वर्ष	भुगतान	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
I अथ शेष			**I व्यय: गैर योजना निधि**		
क) हाथ नकदी	38436	169035			
ख) बैंक में शेष			क) स्थापना व्यय	102284998	96792855
i. चालू खाते में			ख) प्रशासनिक व रखरखाव		
ii. जमा खाते में	5000000				
iii. बचत खाते में	1765148	8122682	राजस्व	31547081	35984446
			घ) कर्मचारी अग्रिम	990500	308250
			च) बयाना धन की वापसी	282191	2342081
II प्राप्त अनुदान			छ) बाहरी व्यक्तियों के पास में जमा	-	-
(क) केंद्र सरकार योजना -सामान्य	96000000	87500000	**गैर योजना कुल 135104770**		
(ख) योजना - पूंजीगत परिसंपत्तियों का सृजन	35000000	47500000	**II किए गए निवेश व जमा**		
(ग) गैर -योजना - सामान्य	82500000	9950000	i)चिह्नित/धर्मदाय निधियों से		
(घ) गैर -योजना - वेतन	26500000	100000000	ii) अपनी निधियों से (निवेश-अन्य)		
(च) राज्य सरकार से			**III (क) व्यय - योजना निधि (पूंजीगत)**		
(छ) अन्य स्रोतों से			1. भवन परियोजना (नया)	13263721	16413467
क्रय/सेवाओं से आय - टिकटों की बिक्री	25591855	16985735	2. विद्यमान भवन विकास	7066563	6200507
			3. दीर्घाओं का पुर्नगठन	7460827	4991402
III निम्नलिखित से निवेश पर आय			4. सुरक्षा,फोटोग्राफी,पुस्तकालय उपकरण इत्यादि	-	4968251
क) चिह्नित/धर्मदाय निधि	-	-	5. सुरक्षा प्रणाली का उन्नयन	3992053	10437589
ख) अपनी निधि (अन्य निवेश)	-	-	6. संरक्षण, पुस्तकालय, फोटोग्राफी	1716836	4488817
			7. सोलार पॉवर प्लांट के लिए अग्रिम	1500000	
			योजना कुल - 35000000	-	

(राशि रु.में)

प्राप्तियां	चालू वर्ष	पिछला वर्ष	भुगतान	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
			III (ख) व्यय - योजना निधि (राजस्व)		
			1. सांस्कृतिक व जन शिक्षा	5266992	4049164
			2. संरक्षण,पुस्तकालय, फोटोग्राफी	3589817	90765
IV निम्नलिखित पर प्राप्त ब्याज			3. सुरक्षा प्रणाली का उन्नयन	-	-
1.बैंक में जमा टीडीआर	4154846	2078401	4. क्षमता निर्माण कार्यक्रम	1008150	2064892
2. जीपीएफ टीडीआर	-	84443	5. सुरक्षा उपकरणों का अनुरक्षण	4446732	3079569
3. कर्मचारी अग्रिम	653192	779150	6. वर्तमान भवन विकास	0	-
			7. कैंऔ.सु.ब. की प्रतिनियुक्तियां	72344349	78215577
			8. स्वच्छ भारत अभियान	252069	
			9. डिजिटाइजेशन और प्रलेखन	1162891	
			योजना राजस्व कुल 88071000	-	-
V अन्य आय (उल्लेख करें)			**IV अतिरिक्त धन/ऋण की धनवापसी**		
क) अन्य प्राप्तियां	3643556	1516363	क) भारत सरकार को	-	-
ख) राज्य सरकार को			ख) राज्य सरकार को	-	-
VII अन्य कोई प्राप्तियां (विवरण दें)			ग) अन्य निधि देनेवालों को	-	-
क) अग्रिमों की वसूली	1478592	1688648	**V वित्त प्रभार (ब्याज)**	-	-
ख) बयाना जमा रकम	1198886	856759	**VI अन्य भुगतान**	-	-
ग) परिपरिसंपत्तियों की बिक्री	-	-	**VII इतिशेष**		
			क) हाथ नकदी	54403	38436
			ख) बैंक में शेष	-	-
			i) चालू खाते में	2597841	
			ii) जमा खाते में	18000000	5000000
			iii) बचत खाते में	4696497	1765148
कुल	283524511	277231216	**कुल**	283524511	277231216

सालार जंग संग्रहालय
दि.31 मार्च 2016 को तुलनपत्र के भाग को बनानेवाली अनुसूची

(राशि रु.में)

अनुसूची 1 - कार्पस/पूंजीगत निधि:	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
वर्ष के आरंभ में शेष	891832378		844332345	
जोड़ें: वर्ष के लिए कार्पस/पूंजीगत निधि के प्रति अभिदान	35000000		47500033	
वर्ष के अंत में शेष :		926832378		891832378
पिछले वर्ष से लाया गया आय से अधिकव्यय शेष	257021792		238855616	
जोड़ें : वर्ष के लिए आय और व्यय लेखे से अंतरित शेष व्यय	27985172		18166176	
घटाएं: कुल आय से अधिक व्यय	285006964	285006964		257021792
कुल		641825414		634810586

(राशि रु.में)

	अनुसूची 2 - आरक्षितियां व अधिशेष	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1	**पूंजी आरक्षिति**		
	पिछले लेखे के अनुसार	-	-
	घटाएं: वर्ष के दौरान कटौतियां	-	-
	31/03/2015 को शेष	-	-
2	**आरक्षिति व अधिशेष**		
	पिछले लेखे के अनुसार	-	-
	वर्ष के दौरान जोड	-	-
	घटाएं: वर्ष के दौरान कटौतियां	-	-
3	**विशेष आरक्षिति**		
	पिछले लेखे के अनुसार	-	-
	वर्ष के दौरान जोड	-	-
	घटाएं: वर्ष के दौरान कटौतिया	-	-
4	**साधारण आरक्षिति**		
	पिछले लेखे के अनुसार	-	-
	वर्ष के दौरान जोड	-	-
	घटाएं: वर्ष के दौरान कटौतिया	-	-
	कुल	-	-

सालार जंग संग्रहालय
दि.31 मार्च 2016 को तुलनपत्र के भाग को बनानेवाली अनुसूची

(राशि रु.में)

अनुसूची 3 - चिह्नित/ धर्मदाय निधि:	निधि-वार कोटि			कुल	
	सालारजंग संग्रहालय स्वर्ण पदक निधि	एनआरआई द्वारा दान की गई भूतपूर्व सैनिक कल्याण निधि	(स्वर्गीय) श्री सुब्बा रामी -रेड्डी व राजम्मा छात्रवृत्ति	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
क) निधि का प्रारंभिक अतिशेष	68815	61361	39747	169923	169923
ख) निधि में जोड़:					
i. दान/अनुदान	-	-	-	-	-
ii. निधि लेखे से बनाए गए निवेशों से आय	6723	5928	3687	16338	16338
कुल (क+ख)	75538	67289	43434	186261	186261
ग) उपयोगिता/निधि के प्रयोजनो के प्रति व्यय					
i. **पूंजीगत व्यय**					
स्थिर परिसंपत्ति	-	-	-	-	-
अन्य	-	-	-	-	-
कुल (i)	-	-	-	-	-
ii. **राजस्व व्यय**					
वेतन, मज़दूरी और भत्ता आदि,					
किराया	-	-	-	-	-
अन्य प्रशासनिक व्यय	-	-	-	-	-
कुल (ii)	-	-	-	-	-
कुल (ग)					
वर्ष के अंत में कुल शेष	75538	67289	43434	186261	186261

(राशि रु.में)

अनुसूची 4 - प्रारक्षित ऋण और उधार :	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1. केंद्र सरकार	-	-
2. राज्य सरकार (उल्लेख करें)	-	-
3. वित्तीय संस्थान		
क) आवधिक ऋण	-	-
ख) प्रोद्भूत और उपार्जित ब्याज	-	-
4. बैंक:		
क) आवधिक ऋण - प्रोद्भूत और उपार्जित ब्याज	-	-
ख) अन्य ऋण - प्रोद्भूत और उपार्जित ब्याज	-	-
5. अन्य संस्थान व एजन्सियां	-	-
6. डिबेंचर व बांड	-	-
7. अन्य (उल्लेख करें)	-	-
कुल	-	-

टिप्पणी: एक वर्ष के भीतर देय रकम

(राशि रु.में)

अनुसूची 5 - असुरक्षित ऋण और उधार :	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1. केंद्र सरकार	-	-
2. राज्य सरकार (उल्लेख करें)	-	-
3 वित्तीय संस्थान	-	-
4. बैंक:		
क) आवधिक ऋण	-	-
ख) अन्य ऋण (उल्लेख करें)	-	-
5. अन्य संस्थान व एजन्सियां	-	-
6. डिबेंचर व बांड	-	-
7. सावधि जमा	-	-
8. अन्य (उल्लेख करें)	-	-
कुल	-	-

सालार जंग संग्रहालय

दि.31 मार्च 2016 को तुलनपत्र के भाग को बनानेवाली अनुसूची

अनुसूची 6 - आस्थगित चालु देयता	चालु वर्ष	पिछला वर्ष
क) पूंजीगत उपस्कर तथा अन्य परिसंपत्तियों को गिरवी रखते हुए प्रारक्षित स्वीकारोक्तियां	-	-
ख) अन्य	-	-
कुल -	-	-

अनुसूची 7 - चालु दायित्व व प्रावधान	चालु वर्ष	पिछला वर्ष
क. चालू दायित्व		
1. स्वीकारोक्तियां	-	-
2. विविध लेनदार:	-	-
क) माल के लिए	-	11519
ख) अन्य के लिए	-	-
3. प्राप्त अग्रिम	-	-
क) साइकल स्टैंड पट्टे की रकम	269360	30968
ख) शारजाह प्रदर्शनी व्यय	-	-
4. उपार्जित ब्याज पर देय नहीं:	-	-
क) प्रारक्षित ऋण /उधार	-	-
ख) अप्रारक्षित ऋण /उधार	-	-
5. सांविधिक देयताएं	-	-
क) अतिशोध्य	-	-
ख) अन्य	-	-
ग) खर्च न किया गया अनुदान	-	-
6. पुनर्वधीकरण के लिए प्रस्तावित अन्य चालू दायित्व	-	-
क) पुनर्वधीकरण के लिए खर्च न किया गया अनुदान	17628000	-
ख) बयाना जमा रकम (कृपया अनुबंध देखें)	5657831	4741136
7. बकाया दायित्व - राजस्व लेखा :	-	-
i. देय छुट्टी वेतन और पेंशन अभिदान	-	-
ii. महालेखाकार को देय लेखा परीक्षा शुल्क	-	-
iii. अतिरिक्त सुरक्षा उपाय - सीआईएसएफ को भुगतान	-	0
iv. पेंशन व सेवानिवृत्ति लाभ का भुगतान	-	-
v. देय वेतन व भत्ता, बोनस,छुट्टी यात्रा रियायत, समयोपरी भत्ता इत्यादि	-	-
vi. टेलीफोन प्रभार इत्यादि	15131	26681
vii. रखरखाव व्यय (कार्यालय उपस्कर इत्यादि)	-	-
viii. पुस्तकालय का रखरखाव	-	-
ix. विद्युत रखरखाव	-	-
x पांडुलिपि अनुभाग	-	-
xi. जल कार्य रखरखाव	-	-
xii. रसायनिक संरक्षण	-	-
xiii जन शिक्षा व्यय	-	-
xiv विधि व्यय	-	-
xv आंतरिक लेखा परीक्षा शुल्क	175000	150000
कुल - क	23745322	4960304
ख. प्रावधान		
कराधान के लिए, उपदान, अधिवार्षिता / पेंशन, संचित छुट्टी नकदीकरण और ट्रेड वारंटी / दावा	-	-
कुल - ख	-	-
कुल (क + ख)	23745322	4960304

सालार जंग संग्रहालय

दि.31 मार्च 2016 को तुलनपत्र के भाग को बनानेवाली अनुसूची

अनुसूची 8 नियत परिसंपत्तियां		सकल ब्लाक				मूल्यह्रास				निवल ब्लाक	
परिसंपत्ति का नाम	मूल्य-ह्रास की दर (%)	वर्ष के आरंभ में कीमत/ मूल्यांकन	वर्ष के दौरान परिवर्द्धन	वर्ष के दौरान कटौतियां	वर्ष के अंत में कीमत/ मूल्यांकन	वर्ष के आरंभ में	वर्ष के लिए	वर्ष के दौरान समायोजन/ कटौतियां	वर्ष के अंत तक कुल	चालू वर्ष के अंत तक	पिछले वर्ष के अंत तक
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
1. भूमि		1795603			1795603					1795603	1795603
2. भवन	1.63	394812423	4254204		399066627	48566660	6470114		55036774	344029853	346245763
3. फोटोग्राफिक उपस्कर	4.75	2045817	118250		2164067	858197	99985		958182	1205885	1187620
4. रसायनिक प्र उपस्कर	4.75	5467418	937325		6404743	600991	281964		882955	5521788	4866427
5. सुरक्षा उपस्कर	4.75	21676387	3000000		24676387	9839060	1100878		10939938	13736449	11837327
6. परिसंपत्तियां शिक्षा											
क) अन्य परिसंपत्ति	4.75	2798135			2798135	1456307	132911		1589218	1208917	1341828
ख) जन संबोधन प्रणाली	4.75	8877881			8877881	1654315	421699		2076014	6801867	7223566
7. दीर्घाओं का वातानुकूलन	4.75	16903780	3870711		20774491	8831662	894859		9726521	11047970	8072118
8. दीर्घाओं का पुनर्गठन	9.5	100461190			100461190	78785431	5387227		84172658	16288532	21675759
9. कंप्यूटरीकरण	16.21	3793912	374554		4168466	2277846	645351		2923197	1245269	1516066
10. वाहन	9.5	1749389			1749389	837692	166192		1003884	745505	911697
11. टाइपराइटर	4.75	139873			139873	99660	6644		106304	33569	40213
12. फर्नीचर व फिक्सचर	6.33	15487861	167975		15655836	9281396	985698		10267094	5388742	6206465
13. शोकेसेस व वाल पैनल	9.5	2315543			2315543	2056070	219977		2276047	39496	259473
14. विद्युत व कार्यालय उपस्कर	4.75	30853880	93000		30946880	9841017	1467768		11308785	19638095	21012863
15. विद्युत - सोलार	7.07		23612261		23612261		834693		834693	22777568	0
16. कैलक्यूलेटर	4.75	20526			20526	13770	975		14745	5781	6756
17. संयंत्र व उपस्कर, औज़ार आदि	4.75	7433024			7433024	2431403	353069		2784472	4648552	5001621
18. डीज़ल जनरेटर, एसी प्लांट	7.07	7847485			7847485	2535356	554817		3090173	4757312	5312129
19. साइकल स्टैंड	3.34	40506			40506	20295	1353		21648	18858	20211

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
20. इंडेक्स कैबिनेट	9.5	3569279			3569279	3390815	71850		3462665	106614	178464
21. मोटर के साथ पानी का फव्वारा	3.34	302220			302220	146109	10094		156203	146017	156111
22. अल्युमिनियम पार्टिशन	6.33	454707			454707	332048	28783		360831	93876	122659
23. फाल्स सीलिंग	6.33	8806763	2777649		11584412	1454165	645381		2099546	9484866	7352598
24. डिस्प्ले आफिस	6.33	378220			378220	359116	19104		378220	0	19104
25. पुस्तकालय के पुस्तक	-	8245028	661261		8906289	0	0		0	8906289	8245028
26. कलाकृतिया की कीमत	-	3251008			3251008	0	0		0	3251008	3251008
27. पांडुलिपियां व माइक्रोफिल्म	-	2342154			2342154	0	0		0	2342154	2342154
28. सीसीटीवी	7.07	73926020	850863		74776883	24900350	5256648		30156998	44619885	49025670
29. फायर अलार्म / हाइड्रंट	7.07	36625585	141190	0	36766775	11454734	2594420		14049154	22717621	25170851
30. फायर स्टेशन - भवन	1.63	3814651			3814651	341983	62179		404162	3410489	3472668
31. भंडार का आधुनिकीकरण	9.5	7475145	1302079		8777224	6989154	771988		7761142	1016082	485991
कुल (क)		773711413	42161322		815872735	229355602	29486621	0	258842223	557030512 557030512	544355811
पिछले वर्ष का कुल		660709997	113001416		773711413	202762398	26433030	159634	229355602	544355811	457947059
ख. चल रहे पूंजीगत कार्य											
क) भवन निर्माण	-	31378500	7490112		38868612					38868612	31378500
ख) दीर्घाओं का पुनर्गठन	-	3000000	7460827		10460827					10460827	3000000
ग) सुरक्षा प्रणाली का उन्नयन	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
i) सीसीटीवी											
ii) फायर हाइड्रंट		2200000	0		2200000					2200000	2200000
iii) फायर अलार्म											
घ) च) श्रव्य उपस्कर की सप्लाई के लिए अग्रिम	-	790287	-	8000000	0		8000000			8000000	8000000
ड) सोलार पैनल	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
कुल - ख		44578500	14950939	0	59529439					59529439	44578500
कुल (क + ख)		818289913	57112261	0	875402174					616559951	588934311

वर्ष के लिए जोड कॉलम 4	रु.	57112261
घटाएं: अग्रिमों से कार्य का पूंजीकरण		
सोलार प्रॉवर प्लांट	रु.	23612261
वर्ष 2014-15 के दौरान कॉंपस निधि के लिए प्रयुक्त अनुदान	रु.	33500000
जोडें: सोलार प्रॉवर प्लांट के लिए अग्रिम	रु.	1500000
कुल	रु.	35000000

i) पूर्ण रूप से मूल्यह्रासित परिसम्पत्तियों के मूल्य को छोडकर 56707652/- रु पर मूल्यह्रास परिकलित किया गया, परंतु अभी भी 43753538/- रु तक उपयोग में है.

ii) 1559332/- रु तक शो केस तथा वॉल पैनलिंग पर मूल्यह्रास नहीं प्रदान किया गया, क्योंकि परिसम्पत्तियों के उपयोग की अवधि समाप्त हो गई है, परंतु अभी भी उपयोग में है.

iii) इंडेक्स कैबिनेट पर मूल्यह्रास नहीं प्रदान किया गया, क्योंकि परिसम्पत्तियों के उपयोग की अवधि समाप्त हो गई है, परंतु अभी भी उपयोग में है.

iv) सोलार प्लांट विद्युत उपकरण के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है और वर्ष के दौरान अन्य के साथ छ:माही के लिए 7.07% की दर से मूल्यह्रास प्रदान किया गया है

सालार जंग संग्रहालय
दि.31 मार्च 2016 को तुलनपत्र के भाग को बनानेवाली अनुसूची

(राशि रु.में)

अनुसूची 9 - चिह्नित/धर्मदाय निधियों से निवेश	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1. सरकारी प्रतिभूतियों में	-	-
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	-	-
3. शेयर	-	-
4. डिबेंचर व बांड	-	-
5. सहायक व संयुक्त प्रयास	-	-
6. अन्य - राष्ट्रीयकृत बैंकों में आवधिक जमा	186261	186261

धर्मदाय निधि	चालू वर्ष	पिछली नवीकृत तारीख	ब्याज दर (प्रतिशत)	पिछला वर्ष		
1. सालारजंग संग्रहालय स्वर्ण पदक निधि	75538		9.25	75538		
2. एनआरआई भूतपूर्व सैनिक कल्याण निधि	67289		7.25	67289		
4. (स्वर्गीय) श्री सुब्बा रामी रेड्डी व राजम्मा छात्रवृत्ति	43434		8.25	43434		
कुल	186261			186261	186261	186261

(राशि रु.में)

अनुसूची 10 - निवेश - अन्य	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
सरकारी प्रतिभूतियों में	-	-
अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	-	-
शेयर	-	-
डिबेंचर व बांड	-	-
सहायक अनुदान (सब्सिडियरी) व जाइंट वेंचर	-	-
अन्य (उल्लेख किया जाए)	-	-
कुल	-	-

(राशि रु.में)

अनुसूची 10 - ए रद्दी परिसंपत्ति	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
रद्दी परिसंपत्ति	0	0
कुल	0	0

सालार जंग संग्रहालय
दि.31 मार्च 2016 को तुलनपत्र के भाग को बनानेवाली अनुसूची

(राशि रु.में)

अनुसूची 11 - चालू परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
क. चालू परिसंपत्तियां:		
1. वस्तु सूची:	-	-
क) भंडार व पुर्जे	-	-
ख) खुले औज़ार	-	-
ग) स्टाक – इन-ट्रेड	-	-
i) तैयार माल	-	-
ii) चालू काम	-	-
iii) कच्चा माल	-	-
iv) प्रकाशन व कैसेटों का अंतिम माल	976053	980404
2. विविध ऋणी	-	-
क. छः महीने से अधिक अवधि के लिए बकाया ऋण	-	-
ख. अन्य	-	-
3. हाथगत में शेष राशि(कैश बैलेन्स इन हैंड)	54403	38436
(चेक / ड्राफ्ट व अग्रदाय सहित)		
4. बैंक बैलेन्स:	-	-
क. अनुसूचित बैंकों में:	-	-
i) चालू खाते में	2597841	-
ii) जमा खाते में	18000000	5000000
iii) जमा खाते में (अतिरिक्त राशि सहित)	-	-
iv) बचत खाते में	4696497	1765148
ख. गैर-अनुसूचित बैंकों में	-	-
— चालू खाते में	-	-
— जमा खाते में	-	-
— बचत खाते में	-	-
5. डाक घर-बचत खाता	-	-
कुल (क)	26324794	7783988
ख. ऋण, अग्रिम और अन्य परिसंपत्ति	-	-
1 ऋण:	-	-
क : कर्मचारी अग्रिम (अनुलग्नक देखें)	3962814	4451006
ख : एलटीसी / यात्रा भत्ता अग्रिम लंबित अंतिम निपटारा	-	-
ग : अन्य सत्ताएं जो ? समरूप गतिविधियों/प्रयोजनों में व्यस्त हों	-	-
घ : अन्य (उल्लेख करें	-	-
2 नकद या उपाहार या मूल्य के लिए प्राप्य वसूलीय अग्रिम और अन्य रकम	-	-
a) क : पूंजीगत खाते पर(अनुलग्नक 8 देखें)	5887739	28000000
ख : पूर्व भुगतान () वार्षिक अनुरक्षण ठेका)	20965	15407
ग : अन्य जमा व अग्रिम (अनुलग्नक देखें)	4213858	4213858
घ : बैंक गारंटी के लिए भारतीय स्टेट बैंक में जमा	300000	300000
च : पर्यटकों के टिकटों के प्रति एपीटीडीसी से देय रकम	-	0
छ : साईकल स्टैंड ठेकेदार से देय रकम	-	-
ज : एपीटीडीसी - कैफेटेरिया बिक्री कमीशन आदि	254464	133558
झ : वसूलीय अन्य देय	298456	298456
ट : विविध अग्रिम	-	-
3 उपार्जित आय लेकिन देय नही :	-	-
क : चिह्नित/धर्मदाय निधि से निवेश पर	60185	60185
ख : निवेशों पर- अन्य (सामान्य भविष्य निधि लेखे पर)	5576548	5580121
ग : ऋण और अग्रिमों पर	-	-
घ : अन्य	89751	-
4 प्राप्य दावे	206100	-
5 प्राप्य बिल (जीपीएफ)	1815011	-
कुल (ख)	**22685991**	**43052591**
कुल चालू परिसंपत्ति (क + ख)	**49010785**	**50836579**

सालार जंग ससंग्रहालय
दि.31 मार्च 2016 को आय और व्यय के भाग को बनानेवाली अनुसूची

(राशि रु.में)

अनुसूची 12 - बिक्री/सेवा से आय	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1. बिक्री से आय		
क तैयार माल की बिक्री	-	-
ख कच्चे माल की बिक्री	-	-
ग स्क्राप की बिक्री	159990	114610
2. सेवाओं से आय		
क) : मज़दूरी व प्रक्रिया किए जाने का प्रभार	-	-
ख) : व्यावसायिक/परामर्श सेवा	-	-
ग) : एजन्सी कमीशन व ब्रोकरेज	-	-
घ) : रखरखाव सेवाएं (उपस्कर/परिसंपत्ति)	-	-
च) : अन्य (उल्लेख करें)	-	-
3. प्रवेश टिकटों की बिक्री	25591855	16935610
कुल	**25751845**	**17050220**

(राशि रु.में)

अनुसूची 13 - अनुदान/ सहायक अनुदान	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1) केंद्र सरकार	240000000	244950000
2) राज्य सरकार	-	-
3) सरकारी एजन्सियां	-	-
4) संस्थान/कल्याण निकाय	-	-
5) अन्य (उल्लेख करें)	-	-
कुल	**240000000**	**244950000**

(राशि रु.में)

अनुसूची 14 -शुल्क / अभिदान	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1) प्रवेश शुल्क	-	-
2) वार्षिक शुल्क/अभिदान	-	-
3) संगोष्ठी/कार्यक्रम शुल्क	-	-
4) परामर्श शुल्क	-	-
5) अन्य (उल्लेख करें)	-	-
कुल	-	-

टिप्पणी- प्रत्येक मद से संबंधित लेखा गणना नीतियों को स्पष्ट किया जाए.

सालार जंग ससंग्रहालय
दि.31 मार्च 2016 को आय और व्यय के भाग को बनानेवाली अनुसूची

अनुसूची 15 - निवेश से आय (निधि से अंतरित चिह्नित/धर्मदाय निधि से निवेश पर आय)	चिह्नित निधि से निवेश		निवेश - अन्य	
	चालू वर्ष	पिछला वर्ष	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1 ब्याज				
क) : सरकारी प्रतिभूति पर	-	-	-	-
ख) : अन्य बांड और डिबेंचर	-	-	-	-
ग) : आवधिक जमा	-	-	-	-
2 लाभांश (डिविडेंड)	-	-	-	-
क) : शेयर पर	-	-	-	-
ख) : म्युचुअल निधि प्रतिभूति पर	-	-	-	-
3 किराया	-	-	-	-
4 अन्य	-	-	-	-
कुल	-	-	-	-
चिह्नित/धर्मदाय निधि में अंतरित (अनुसूची 3)	-	-	-	-

नोट- स्रोत पर कटौती किए गए कर को दर्शाया जाए

(राशि रु.में)

अनुसूची 16 - रायल्टी, प्रकाशन आदि से आय,	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
क) रॉयल्टी से आय	-	-
ख) प्रकाशनों से आय	145040	151207
ग) अन्य (स्पष्ट करें)		
कुल	145040	151207

(राशि रु.में)

अनुसूची 17 - अर्जित ब्याज	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1) समयावधि निवेश (टर्म डिपाजिट) पर :		
क) अनुसूचित बैंकों से	4165967	2078401
ख) गैर-अनुसूचित बैंकों से	-	-
ग) संस्थानों से	-	-
घ) अन्य (जी.पी.एफ / टीडीआर)	1890698	2775937
2) बचत लेखा पर :	-	-
क) अनुसूचित बैंकों से	-	-
ख) गैर-अनुसूचित बैंकों से	-	-
ग) डाक घर बचत लेखा	-	-
घ) अन्य	-	-
3) ऋण पर :	-	-
क) कर्मचारी	653192	779150
ख) अन्य	-	-
4) देनदार तथा अन्य प्राप्य के ब्याज	-	-
कुल	6709857	5633488

सालार जंग ससंग्रहालय
दि.31 मार्च 2016 को आय और व्यय के भाग को बनानेवाली अनुसूची

(राशि रु.में)

अनुसूची 18 - अन्य आय	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1 बिक्री /परिसंपत्तियों के निपटारे से प्राप्त लाभ:		
क : निजी परिसंपत्तियां	-	-
ख : अनुदान या मुफ्त में अर्जित परिसंपत्तियां	-	-
2 वसूले गए निर्यात उद्दीपक	-	-
3 विविध सेवाओं का शुल्क	-	-
4 विविध आय		
क) : ए.पी.टी.डी.सी स्टेप-इन-केफटेरिया	346086	259179
ख) : तोलन मशीन से प्राप्तियां	91350	38048
ग) : साइकल स्टैंड का पट्टा	1391771	1383308
घ) : छुट्टी वेतन और पेंशन अंशदान	-	-
च) : फुटकर प्राप्तियां	512792	561926
छ) : एच एच ई सी से आय	93659	119959
ज) : किराया प्राप्तियां	991482	
कुल	3427140	2362420

(राशि रु.में)

अनुसूची 18क -नियत परिसंपत्तियों के क्रय पर आय	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
	0	0
कुल	0	0

(राशि रु.में)

अनुसूची 19 - तैयर माल के स्टाक में वृद्धि/कमी तथा चल रहे कार्य	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
क) इति स्टाक	-	-
- तैयार माल	-	-
- चल रहे कार्य	-	-
ख) कमी : अथ स्टाक	-	-
- तैयार माल	-	-
- चल रहे कार्य	-	-
निवल वृद्धि/कमी (क - ख)	-	-

सालार जंग संग्रहालय
31 मार्च 2016 को समाप्त अवधि/ वर्ष के लिए आय तथा व्यय की अनुसूची

(राशि रु.में)

अनुसूची 20 - स्थापना व्यय			चालू वर्ष	पिछला वर्ष
क)	वेतन तथा मज़दूरी	57739311	-	-
	जोड: महंगाई भत्ता	600750	-	-
	उप कुल :	**58340061**	-	-
	घटाएं : नई पेंशन योजना में जमा की गई राशि	587078	-	-
	निवल: वेतन तथा मजदूरी	-	57752983	58479685
ख)	बोनस		483422	501750
ग)	भविष्य निधि के लिए अंशदान			
घ)	अन्य निधि के लिए अंशदान - नई पेंशन योजना		587078	565553
च)	कर्मचारी कल्याण व्यय			
छ)	कर्मचारी सेवानिवृत्ति तथा सेवांत लाभ		10616000	8533927
ज)	पेंशन / परिवार पेंशन भुगतान		25477167	21122697
झ)	शिक्षा शुल्क प्रतिपूर्ति		1407911	981407
ट)	समयोपरि भत्ता		65504	98555
ठ)	यात्रा भत्ता		86106	431730
ड)	चिकित्सा प्रतिपूर्ति		2672290	2571535
ढ)	छुट्टी यात्रा रियायत		487885	1003041
ण)	मानदेय			
त)	सामान्य भविष्य निधि पर ब्याज		2470227	2337869
थ)	छुट्टी वेतन अंशदान			35905
द)	पेंशनभोगियों को चिकित्सा बीमा		178425	129201
	कुल		**102284998**	**96792855**

सालार जंग संग्रहालय
31 मार्च 2016 को समाप्त अवधि/ वर्ष के लिए आय तथा व्यय की अनुसूची

(राशि रु.में)

अनुसूची 21- अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
क) श्रम तथा संसाधन व्यय	-	-
ख) ढुलाई तथा परिवहन आवक	-	-
ग) बिजली तथा पॉवर	8495226	13388100
घ) जल प्रभार & प्रसाधन का रख-रखाव	5116838	5539387
च) बीमा	-	-
मरम्मत तथा रखरखाव (मजदूरी आदि)	-	-
i. भवन & बगीचे का रख-रखाव	2285492	486808
ii. जेनरेटर & ए.सी. संयंत्र आदि का रख-रखाव	2900409	3344036
iii. विद्यमान भवन / दीर्घाओं का रख-रखाव	-	-
iv. फोटो सेक्शन का रख-रखाव	1162891	90765
v. सांस्कृतिक व सामूहिक शिक्षा	5266992	12010362
vi. रसायनिक संरक्षण व परिरक्षण	1451557	-
vii. पुस्तकालय का रख-रखाव	1430713	-
viii. दीर्घाओं का पुनर्गठन	-	-
ix. पांडुलिपि	707547	-
छ) उत्पाद शुल्क	-	-
ज) किराया,दर तथा कर	1447358	1447358
झ) वाहन,चालन तथा रख-रखाव	-	-
ट) डाक, टेलीफोन तथा संचार प्रभार	381318	426758
ठ) टिकटों का मुद्रण तथा लेखन सामग्री व फार्म	828371	1065524
ड) यात्रा तथा परिवहन व्यय	-	-
ढ) संगोष्ठी / कार्यशालाओं पर व्यय	1008150	-
ण) अभिदान व्यय	-	-
त) शुल्क पर व्यय	-	-
थ) लेखा परीक्षकों का पारिश्रामिक (एजी)	-	-
द) आतिथ्य व्यय	-	-
ध) व्यायसायिक प्रभार (आंतरिक लेखा परीक्षा शुल्क)	396375	300000
न) अशोध्य तथा संदिग्ध ऋण / अग्रिमों के लिए प्रावधान	-	-
प) पैकिंग प्रभार	-	-
फ) मालभाड़ा तथा अग्रेषण व्यय	-	-
ब) वितरण व्यय	-	-
भ) विज्ञापन तथा प्रचार-प्रसार	-	5313
म) अन्य (स्प्ट करें)	-	-
य) - वर्दी	-	-
- कानूनी व्यय	104012	83500
- कार्यालय रख-रखाव व्यय	9581734	4345470
- बैंक प्रभार	5529	4712
- आग सुरक्षा सेवा	-	760959
- विविध व्यय	-	-
- सूची पत्र, प्रतिकृतियां व पुस्तिकाएं	-	-
- सुरक्षा उपकरणों का रख - रखाव	4441174	1993379
कुल	**47011686**	**45292431**

सालार जंग संग्रहालय
31 मार्च 2016 को समाप्त अवधि/ वर्ष के लिए आय तथा व्यय की अनुसूची

(राशि रु.में)

अनुसूची 21-क - केंऔसुब के भुगतान	चालू वर्ष		पिछला वर्ष	
1 वेतन एवं भत्ते	70784898	-	76804749	-
2 चिकित्सा व्यय	1559451	72344349	1410828	78215577
घटाएं: वर्ष 13-14 के लिए बकाया	-	-	-	6328308
कुल		72344349		71887269

(राशि रु.में)

अनुसूची 21-ख - पूर्व अवधि समायोजन	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1 वर्ष 14-15 के लेखा पर एजी द्वारा इंगित किए गए चूक का परिशोधन वर्ष 13-14 की आंतरिक लेखा परीक्षा	-	168540
2 वर्ष 2013-14 और 2014-15 का एजी लेखा परीक्षा शुल्क	263400	
3 वर्ष 13-14 के लेखा पर एजी द्वारा इंगित किए गए चूक का परिशोधन वर्ष 13-14 से संबंधित मुल्यह्रास समायोजन	-	159634
कुल	263400	328174

(राशि रु.में)

अनुसूची 22 - अनुदान , अभिदान आदि पर व्यय	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
क) संस्थान / संगठनों को दिए गए अनुदान	-	-
ख) संस्थान / संगठनों को दी गई आर्थिक सहायता	-	-
कुल	-	-

नोट- हस्तियों के नाम, उनकी गतिविधियां अनुदान/अभिदान की राशि सहित, विवरण दिया जाए

(राशि रु.में)

अनुसूची 23 - ब्याज	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
1 नियत ऋण पर	-	-
2 अन्य ऋण पर (बैंक प्रभार सहित)	-	-
3 अन्य (स्पष्ट करें)	-	-
कुल	-	-

सालार जंग संग्रहालय
31 मार्च 2016 को समाप्त वर्ष के लिए लेखा की अनुसूची

अनुसूची - 24

लेखाकरण की महत्वपूर्ण नीतियां :

1. सालारजंग संग्रहालय के लेखों का रख-रखाव सालारजंग संग्रहालय अधिनियम 1961 की धारा 21 के अनुसार तथा वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग द्वारा निर्धारित फार्म में किया जा रहा है. लेखों को प्रोद्भूत आधार पर तैयार किया जाता है तथा भारत के नियंत्रक व महालेखाकार के साथ परामर्श से केंद्र सरकार के द्वारा समय-समय पर जारी निदेशों के अनुरूप किया जाता है. ऐतिहासिक परंपरा लागत के आधार पर वित्तीय विवरणियां तैयार किए जाते हैं.

2. भारत सरकार से अनुदानों की मान्यता :-

अनुदानों को उनकी उपयोगिता/ स्वीकृति के आधार पर राजस्व अनुदान तथा पूंजीगत अनुदान के रूप में मान्यता दी जाती है. जीएफआर के नियम 209 (6) (xiii) के प्रावधानों के अनुसार वर्ष के लिए योजना और गैर-योजना पर व्यय (पूंजीगत और राजस्व) प्राप्ति और भुगतान लेखा में अलग से दर्शाया गया है. अनुदान का लेखाकरण वास्तविक आधार पर किया गया है.

3. नियत परिसंपत्तियां :-

नियत परिसंपत्तियों का मूल्यांकन सभी प्रासंगिक और अधिप्राप्ति संबंधी अन्य सीधे व्यय को सम्मिलित कर, अधिप्राप्ति के लागत पर किया गया है.

4.मूल्यह्रास :-

क) वर्ष 1981-82 के बाद से गैर-योजना परिसंपत्ति तथा योजनाबद्ध परिसंपत्ति पर मूल्यह्रास का मूल्यांकन नहीं किया गया क्योंकि संग्रहालय एक गैर-वाणिज्यिक संस्था है जिसे केंद्रीय सरकार द्वारा अनुदान प्राप्त होते हैं तथा परिसंपत्तियों का प्रतिस्थापन भारत सरकार द्वारा दी जाने वाली नए अनुदान से ही किया जा सकता है.

ख) तथापि, मंत्रालय (भारत सरकार) की सूचना के अनुसार कंपनी अधिनियम 1956 की धारा XIV के सीधे लाइन पद्धति के अंतर्गत निर्धारित दरों पर लेखा वर्ष 2000-01 से संग्रहालय की परिसंपत्तियों का मूल्यह्रास उपलब्ध कराया गया है.

ग) संग्रहालय द्वारा संग्रहित पुस्तकालय की पुस्तकें, पांडुलिपियां, कलाकृतियां, तथा माइक्रोफिल्में आदि और संग्रहालय द्वारा खरीदी गई कलाकृतियें को छोडकर सभी परिसंपत्तियों का मूल्यह्रास किया जा रहा है.

5. कलाकृतियों का मूल्य :

उच्च न्यायालय, आंध्र प्रदेश द्वारा सालारजंग इस्टेट से लिए गए कलाकृतियां, सामान व जुड़नार, पुस्तकें , पांडुलिपियां आदि का मूल्य ज्ञात न होने के कारण तुलन-पत्र में उन्हें नहीं दिखाया गया. तथापि, कालांतर में प्राप्त किए गए कलाकृतियों का मूल्य लागत में दिखाया गया है.

6. संग्रहालय के कर्मचारियों के उपदान, छुट्टी नकदीकरण पर व्यय के लिए बही खाते में कोई प्रावधान नही किया गया. तथापि इसे नकद आधार पर लेखे में दर्शाया गया.

7. संग्रहालय के कर्मचारियों के सामान्य भविष्य निधि लेखा अलग से बनाया रखा जा रहा है तथा इसकी सूची निम्नानुसार है.

अनुसूची - 24 क

लेखों पर टिप्पणी :

1. **अनुदानों का पुनर्वैधीकरण :-**

वर्ष के दौरान पुनर्वैधीकरण के लिए कोई राशि प्रस्तावित नहीं की गई है.

2. **मूल्यह्रास :-**

चालू वर्ष के दौरान जोड़े गए पर मूल्यह्रास छ:महीनों के लिए उपलब्ध कराया गया,जिस तरह पिछले वर्षों से उपलब्ध किया जाता रहा है.

3. **भूमी :**

संग्रहालय को दान में दी गई जमीन के मूल्य 8,51,700 रु को तुलन पत्र की अनुसूची- 8 में 'भूमि' शीर्ष के अंतर्गत दर्शाया गया है 'भूमि' शीर्ष के अंतर्गत दर्शाइ गई 17,95,603/- रु की राशि में संग्रहालय द्वारा खरीदी गयी जमीन अधिमापन 10 एकर और 62 गुंटे का मूल्य 9,43,903 /- रु शामिल है.

4. **नई पेंशन योजना से संबंधित निधि**

भारत सरकार ने दिनांक 30.01.2009 के पत्र सं. 1(13) /ईवी/2008 के अंतर्गत जारी अनुदेशों के अनुसार, नई पेंशन रेग्युलेटरी योजना में शामिल होने के लिए स्वायत्त निकायों की सहमति पूछी गई है. सालार जंग संग्रहालय ने दिनांक 06.04.2009 के पत्र सं. एसजेएम /स्थापना/ एनपीएस/ 2009-75 के अंतर्गत अपनी सहमति दी है और नई पेंशन योजना कार्यान्वित की गई है.

वर्ष 2015-16 के दौरान कर्मचारियों से वसूल की गई राशि और संग्रहालय का समानरूप से अभिदान कर्मचारियों के संबंधित खातों में, जो पेंशन विनियामक प्राधिकार द्वारा अनुरक्षित किया जाता है, में कुल 5,87,078 रु की राशि जमा की गई है.

5. **सोलार प़ॉवर प्रॉजेक्ट :**

i) संग्रहालय द्वारा सोलार प़ॉवर प्रणाली स्थापित की गई, जिसे कंपनी अधिनियम 1956 के मूल्यह्रास के अंतर्गत विद्युत उपकरण के रूप में वर्गीकृत किया गया है और संग्रहालय द्वारा प्रॉजेक्ट अग्रिम के रूप मे 2,36,12,261/- रु. प्रदान किए गए.

ii) भारत सरकार, गैर-नवीनीकृत ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) ने सोलार प़ॉवर प्रॉजेक्ट के लिए सहायकी के रूप में प्रॉजेक्ट लागत की 30% राशि 98,00,330/- रु. की मंजूरी दी है. यद्यपि एमएनआरई मंत्रालय ने 31 मार्च 2016 के अंत तक केवल रु. 55,25,329/- रु. की राशि मेसर्स टीएनआरईडीसीएल को जारी की है. इसको ध्यान में रखते हुए, परिसम्पत्ति के उपयोग करने की अवधि पर आधारित समानुपात में आस्थगित आय परिकलित किया गया, जिसमें चालु वर्ष के लिए लाभ और हानि लेखे में प्रभारित मूल्यह्रास मान्य नहीं किया गया.

6. लेखा में चिह्नित धर्मदाय निधि पर ब्याज प्रोद्भूत को नहीं लिया गया.

7. लेखा में टीडीएस प्राप्तियों को छोडकर आवधि जमा पर अर्जित ब्याज और प्रोद्भूत आंकडे ही लिए गए है.

8. जहां कहीं आवश्यकता हो, पिछले वर्ष के आंकड़ों को पुन: समूहबद्ध, पुन:व्यवस्थित तथा पुन:वर्गीकृत कर इस वर्ष के समूहों के साथ पुष्टि की गई है.

9. आंकड़ों को निकटतम रुपयों में पूर्णांकित कर दर्शाया गया है.

सालार जंग संग्रहालय
31 मार्च 2016 को समाप्त वर्ष के लिए लेखा की अनुसूची

अनुसूची - 25

1. आकस्मिक देयताएं

संग्रहालय के विरुद्ध ऋण के रूप में न माने गए दावें

- मेसर्स डीजाइन टीम, संग्रहालय के वास्तुशिल्पी ने नए भवन के निर्माण के अतिरिक्त लागत पर अपने शुल्क के रूप में संग्रहालय से 12.86 लाख रु अधिक शुल्क की मांग की है. मध्यस्थ को जिसे पहले यह मामला सौंपा गया था उसने वास्तुशिल्पी को 18.11 लाख रुपए दिए जाने के लिए कहा था. बाद में इसे उच्च न्यायालय, नई दिल्ली में विवाद मामले के विरुध्द याचिका दायर किया गया तथा न्यायालय के अंतिम निर्णय की प्रतीक्षा की जा रही है.
- संग्रहालय के 2 नए भवनों के निर्माण का सिविल ठेकेदार, मेसर्स एन.बी.सी.सी ने देय शेष राशि के रूप में 200.00 लाख रु का दावा किया है. मामला न्यायाधीन है.
- मेसर्स सॉलमन राजु तथा अन्य ने ठेकेदार द्वारा नियुक्त मज़दूर की मृत्यु के लिए संग्रहालय से 3.80 लाख रु के प्रतिपूर्ति की मांग की.. मामला न्यायाधीन है.

	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
- संग्रहालय द्वारा दमकल स्टेशन के लिए आंध्र प्रदेश सरकार को दी गई बैंक की गैरंटी	3,00,000	3,00,000
- 1991-94 (3 वर्ष) के लिए नगरपालिका कर	7,17,501	7,17,501
- संग्रहालय की ओर से बैंक द्वारा खोले गए ऋण पत्र - बैंक से रियायत प्राप्त बिल - निम्न के संबंध में विवादित मांगे आय कर बिक्री कर - आदेशों के अनुपालन न करने के लिएपार्टियों द्वारा किए गए दावें लेकिन संग्रहालय द्वारा इसका समर्थन नही किया गया.	कुछ नहीं	कुछ नहीं

2. पूंजी दायित्व

	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
जी लेखा पर पूरा किए जानेवाले ठेकाओं को प्राक्कलित मूल्य जिनका प्रावधान नहीं किया गया तथा उसके लिए उपलब्ध नही किया गया.	कुछ नहीं	कुछ नहीं

3. पट्टे के दायित्व

	चालू वर्ष	पिछला वर्ष
संयंत्र व मशीनरी के लिए वित्त पट्टा व्यवस्था के अंतर्गत आगे और किराये के दायित्व	कुछ नहीं	कुछ नहीं

अनुसूची - 25 : लेखा पर टिप्पणी जारी.....

	चालू वर्ष /	पिछला वर्ष
विदेशी मुद्रा का लेन-देन		
सीआईएफ आधार पर आयातों के मूल्य की गणना :		
- तैयार माल की खरीदी	कुछ नहीं	कुछ नहीं
- कच्चा माल & संघटक (पारगमन सहित)		
- पूंजी माल		
- भंडार, पुर्जे तथा उपभोज्य वस्तु		
विदेशी मुद्रा में व्यय :		
- यात्रा	कुछ नहीं	कुछ नहीं
- विदेशी मुद्रा में वित्तीय संस्थान / बैंको को दी गई धनवापसी तथा ब्याज		
- बिक्री पर कमीशन		
- कानूनी तथा व्यायसायिक व्यय		
- विविध व्यय		
अर्जन - एफओबी के आधार पर निर्यात का मूल्य		
लेखा परीक्षकों के लिए पारिश्रमिक :		
लेखा परीक्षकों के रूप में		
- कराधान विषय	कुछ नहीं	कुछ नहीं
- प्रबंधन सेवाओं के लिए		
- प्रमाणीकरण के लिए		
- अन्य		

1 से 25 तक के अनुसूचियों को अनुलग्नक बना कर 31.03.2016 के तुलन-पत्र का अभिन्न अंग बना दिया गया, तथा उस तारीख को आय तथा व्यय लेखा समाप्त हुई है.

सालार जंग संग्रहालय
अनुसूची 1, 7 और 11 का अनुलग्नक

(राशि रु.में)

I. बाहरी व्यक्तियों के पास जमा (अनुसूची 11 ख)

विवरण	31.3.2016 का	31.3.2015 को
(क) आंध्र प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड इत्यादि के पास जमा		
1. मेसर्स बल्दिया पेट्रोल सप्लाई , हैदराबाद.	5000	5000
2. मेसर्स कार केर सेंटर, हैदराबाद	3000	3000
3. जूबिली डाक कार्यालय, हैदराबाद	1265	1265
4. दृश्य श्रव्य प्रचार निदेशक, नई दिल्ली	46646	46646
5. आंध्र प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड:	-	-
क). एल.टी.कनेक्शन	44390	44390
ख). कर्मचारी क्वार्टर जमा	125500	125500
ग). एच.टी. कनेक्शन	1092000	1092000
	83100	83100
घ) अतिरिक्त प्रतिभूमि जमा	1567857	1567857
6. सेल फोन जमा	9000	9000
7. विद्युत मीटर जमा	100	100
कुल (क)	**2977858**	**2977858**
(ख). केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के साथ जमा	**1236000**	**1236000**
कुल (क + ख)	**4213858**	**4213858**

II कर्मचारी तथा अन्य अग्रिम (अनुसूची 11 ख)

	अग्रिम के प्रकार	1/4/15 को अथ शेष	वर्ष के दौरान भुगतान	वर्ष के दौरान वसूली / समायोजन	31/3/16 को इति शेष
1	ग्रह निर्माण अग्रिम	4043597	180000	927434	3296163
2	मोटर साईकिल अग्रिम	59792	80000	38800	100992
3	मोटर कार अग्रिम	63825		43200	20625
4	कंप्यूटर अग्रिम	196792	420000	138858	477934
5	त्योहार अग्रिम	87000	310500	330300	67200
	कुल (अनुसूची - 11 ख)	**4451006**	**990500**	**1478592**	**3962914**
III	**बयाना धन जमा प्रतिभूति जमा**	**4741136**	**282191**	**1198886**	**5657831**

सालारजंग संग्रहालय
हैदराबाद
वर्ष 2015 - 16 के लिए सामान्य भविष्य निधि - तुलन पत्र

(राशि रु.में)

क्र.सं.	देयताएं	राशि	क्र.सं.	परिसंपत्तियां	राशि
1	अभिदान	30881647	1	टीडीआर में निवेश	30200000
2.	सा.सं. बोर्ड लेखा	1815011	2	सामान्य भविष्य निधि नकद पुस्तिका के अनुसार इति शेष	2496658
	कुल	32696658		कुल	32696658

वर्ष 2015 - 16 के लिए प्राप्ति और भुगतान लेखा

(राशि रु.में)

क्र.सं.	प्राप्तियांराशि	राशि	क्र.सं.	भुगतान	राशि
1	अथ शेष	736279	1	आहरण	12105090
2	जमा	10180231	2	एफडीआर में निवेश	15100000
3	निवेशों से आहरण बोर्ड लेखे से प्राप्त	14500000 2470227	3	बैंक प्रभार (सालारजंग संग्रहालय बोर्ड के लेखा में जमा टीएफडी)	630
4	निवेश पर अर्जित ब्याज	1815641	4	इति शेष	2496658
	कुल	29702378		कुल	29702378

वर्ष 2015 - 16 के लिए अभिदान से संबंधित अनुसूची

(राशि रु.में)

क्र.सं	विवरण	राशि रु.में
1	बही खाते के अनुसार शेष	30025938
2	जोड़े:अप्रैल 2015 में जमा किया गया मार्च 2015 का अभिदान	855709
	कुल	30881647

सालारजंग संग्रहालय, हैदराबाद
वर्ष 2015 - 16 के लिए सामान्य भविष्य निधि - जमा तथा आहरण अनुसूची

(राशि रु.में)

माह व वर्ष	जमा	आहरण
अप्रैल 2015	869352	520270
मई 2015	859138	1687354
जून 2015	855186	1333678
जुलाई 2015	838241	1824717
अगस्त 2015	840511	1239288
सितंबर 2015	832334	383358
अक्तूबर 2015	840366	337878
नवंबर 2015	837029	578374
दिसंबर 2015	845478	384763
जनवरी 2016	842428	1630000
फरवरी 2016	864459	957981
मार्च 2016	855709	1177429
कुल	10180231	12055090
2. राशि आहरित की गयी तथा समयावधि जमा में निवेश किया गया		600000
3. जोड:अभिदाता के लेखा में जमा ब्याज	2470227	
4 सालार जंग संग्रहालय बोर्ड के लेखा में जमा की गई टी डी आर पर ब्याज की राशि		1815641
कुल	12650458	14470731

सामान्य भविष्य निधि - निवेश 2015 - 16

जमा का विवरण	निवेश करने की तारीख	अवधि	ब्याज दर प्रतिशत (%)	राशि रु.में
32278273349	10.04.2012	4 वर्ष	9.25	2000000
33596275018	18.01.2014	4 वर्ष	9.00	4000000
33667272847	19.02.2014	4 वर्ष	8.75	700000
33733761184	19.03.2014	4 वर्ष	8.75	3000000
33697230549	03.03.2014	4 वर्ष	8.75	5000000
33697252950	03.03.2014	4 वर्ष	8.75	2500000
34923032421	11.05.2015	1 वर्ष	8.00	5000000
35669570798	24.03.2016	1 वष	7.25	6000000
35669750567	31.03.2016	180 दिन	6.75	2000000
कुल				30200000

महानिदेशक लेखापरीक्षा (केंद्रीय) का कार्यालय
सैफाबाद, हैदराबाद -500 004

सं.डीजीए(सी)/सीईए/यू.V/एसजेएम/एसएआर.2015-16//2016-17/184 **दि.28.10.2016**

सेवा में,

सचिव महोदय,
भारत सरकार, संस्कृति मंत्रालय,
सी-विंग, शास्त्री भवन,
नई दिल्ली -110 001.

महोदय,

विषय:- सालार जंग संग्रहालय (SJM), हैदराबाद के वर्ष 2015-2016 के लेखों पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन.

***

सालार जंग संग्रहालय (SJM), हैदराबाद के वर्ष 2015-2016 के लेखों पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन, संबद्ध अनुलग्नक तथा वर्ष 2015-2016 के लिए संस्थान के वार्षिक लेखा की एक प्रति के साथ संसद में प्रस्तुत करने के लिए अग्रेषित किया जाता है.

अनुरोध है कि संसद के दोनों सदनों में पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन प्रस्तुत करने की तारीख सूचित की जाए.

इस पत्र के साथ संबंद्ध अनुलग्नक प्राप्त होने की पावती दी जाए.

भवदीया,

संलग्नक: यथोपरि

हस्ता/-
महानिदेशक लेखापरीक्षा (केंद्रीय)

सं.डीजीए(सी)/सीईए/यू.V/एसजेएम/एसएआर.2015-16// दि.28.10.2016

प्रतिलिपि :- निदेशक, सालार जंग संग्रहालय, दारुल शिफा रोड, अफज़लगंज़, हैदराबाद-500 002, वर्ष 2015-2016 के लिए वार्षिक लेखा (अंग्रेजी पाठ) तथा अर्ध सरकारी प्रबंधन पत्र की प्रति के साथ अनुरोध है कि इस कार्यालय को अनुमोदित वार्षिक लेखा 2015-2016 की हिंदी पाठ (2 सेट) भिजवाने की व्यवस्था करे.

संलग्नक: यथोपरि

हस्ता/-
उप निदेशक/कें.व्य.ले.प.

31 मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष के लिए सालार जंग संग्रहालय, हैदराबाद के लेखा जोखा पर भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन

हमने सालार जंग संग्रहालय, हैदराबाद के संलग्न किए गए दि. 31 मार्च 2016 के तुलनपत्र और उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए आय व खर्च लेखा तथा प्राप्ति व भुगतान लेखा की भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (ड्यूटी, शक्तियां व सेवा की शर्तें) सालार जंग संग्रहालय अधिनियम, 1961 की धारा 21(2) के साथ पठित अधिनियम, 1971 की धारा 19(2) के अंतर्गत लेखा परीक्षा की है. यह वित्तीय विवरणियां संग्रहालय के प्रबंधन की जिम्मेदारी है. हमारी यह जिम्मेदारी है कि हमारी लेखा परीक्षा पर आधारित इन वित्तीय विवरणियों पर हम अपना मत व्यक्त करें.

2. इस पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन में भारत के नियंत्रक व महालेखा परीक्षक (सीएजी) द्वारा वर्गीकरण, उत्कृष्ट लेखा करण अभ्यास एकाउंटिंग प्रैक्टिस, लेखा करण स्तर और प्रकटन मानदंड आदि के साथ पुष्टिकरण के संबंध में लेखा करण पध्दति पर टिप्पणियां. विधि, नियम व विनियमन (स्वामित्व और निरंतरता) और दक्षता एवं कार्यनिष्पादन पहलु आदि, यदि कोई हो, को निरीक्षण रिपोर्ट/ सीएजी के लेखा परीक्षा रिपोर्ट में अलग से दिखाया जाए.

3. हमने भारत में सामान्य रूप से स्वीकृत लेखा परीक्षा के स्तर में हमारी लेखा परीक्षा आयोजित की है. इस स्तर को बनाए रखने के लिए आवश्यक है कि हम योजना बनाएं और यह सुनिश्चित करें कि इन वित्तीय विवरणियों में कोई भी गलतियां नहीं हैं. लेखा परीक्षा का अर्थ है परीक्षण के आधार पर राशि के समर्थन में साक्ष्य और वित्तीय विवरणियो में प्रकटन की जांच करना, लेखा परीक्षा में प्रयुक्त लेखा सिद्धांतों और प्रबंधन द्वारा बनाए गए महत्वपूर्ण आकलनों का निर्धारण तथा वित्तीय विवरणियों का समस्त प्रस्तुतीकरण का मूल्यांकन भी शामिल है. हमें विश्वास है कि हमारी लेखा परीक्षा हमारा मत सिद्ध करने के लिए एक उचित आधार है.

4. हमारी लेखा परीक्षा के आधार पर, हम यह रिपोर्ट प्रस्तुत करते हैं कि:

i. हमने सभी सूचना और स्पष्टीकरण प्राप्त की है, जो हमारी जानकारी के अनुसार हमारे लेखा परीक्षा के उद्देश्य के लिए आवश्यक है.

ii. इस प्रतिवेदन में दिए गए तुलनपत्र और आय व खर्च लेखा तथा प्राप्ति व भुगतान लेखा, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अनुमोदित फार्मेट के आधार पर आहरित किया गया है.

iii. हमारा मत है कि लेखे के लिए आवश्यक उचित पुस्तकों और अन्य संबंधित रिकार्डों को सालार ज़ंग संग्रहालय द्वारा यथा आवश्यक अनुरक्षित किया गया है, जैसा कि हमारे द्वारा ऐसे पुस्तकों के किए गए परीक्षण से पता चलता है.

iv. इसके अतिरिक्त हम यह सूचित करते हैं कि

क. तुलन पत्र

क.1. पूंजीगत निधि ₹ 64.18 करोड

क.1.1 इसमें वैज्ञानिक उपकरण के अग्रिम के ₹ 15,00,000 रुपये शामिल है, इसके परिणामी पूंजीगत निधि की अत्युक्ति हुई है और ₹ 15 लाख रुपयों की चालू दायिता (अप्रयुक्त अनुदान) की न्यूनोक्ति हुई है.

ख. आय और खर्च

ख.1. आय ₹ 22.34 करोड

ख.1.1 इसमें जीपीएफ निवेश पर वर्ष के दौरान ₹ 18,90,698/- का अर्जित ब्याज शामिल है, जिसे गलती से संग्रहालय के आय में दिखाया गया है (अनुसूची-17). इसके परिणामी आय की अत्युक्ति हुई है और ₹ 18.91 लाख रुपयों की पूंजीगत निधि की अत्युक्ति हुई है. यह संग्रहालय की लेखाकरण नीति सं. 7 (अनुसूची-24) के विपरीत भी है.

ख.2 खर्च ₹ 25.14 करोड

ख.2.1 इसमें वर्ष के दौरान ₹ 24,70,227/- का जीपीएफ पर ब्याज के भुगतान का शामिल है, जिसे गलती से संग्रहालय के खर्च में दिखाया गया है (अनुसूची-20). इसके परिणामी खर्च की अत्युक्ति हुई है और ₹ 24.70 लाख रुपयों की पूंजीगत निधि की न्यूनोक्ति हुई है. यह संग्रहालय की लेखाकरण नीति सं. 7 (अनुसूची-24) के विपरीत भी है.

ग सामान्य

1. एएस 15 के उल्लंघन में सेवा निवृत्ति लाभ अर्थात: नकद आधार पर उपदान, छुट्टी नकदीकरण के लिए परिषद लखांकित है.

2. नियत परिसंपत्तियों में तत्कालीन सालार जंग संपत्ति से प्राप्त अमूल्य कलाकृतियां शामिल नहीं है. संग्रहालय की परिसंपत्ति के रूप में, इन कलाकृतियों की सूची को लेखा में शामिल करने की आवश्यक्ता है.

घ. सहायता अनुदान:

वर्ष के दौरान प्राप्त ₹ 24.00 करोड़ रुपये* अनुदान तथा ₹ 3.40 करोड़ रुपये आंतरिक प्राप्तियों सहित कुल ₹ 27.40 करोड़ रुपये सहायता अनुदान प्राप्त हुआ, संग्रहालय ने 31 मार्च 2016 तक ₹ 1.86 करोड़ रुपये शेष छोडते हुए कुल ₹ 25.54 करोड़ रुपये** का अनुदान उपयोग किया.

च. प्रबंधन का पत्र

कमियां जिन्हें पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन में शामिल नहीं किया गया था, उसे, उस पर निवारात्मक/सुधारात्मक कार्रवाई करने के लिए अलग से प्रबंधन के पत्र के माध्यम से निदेशक, सालार जंग संग्रहालय, हैदराबाद के सूचना में लाया गया.

v. इससे पूर्व पैरा में हमारी टिप्पणी के बावजूद हम यह सूचित करते हैं कि, इस प्रतिवेदन में दिए गए तुलनपत्र और आय व खर्च लेखा तथा प्राप्ति व भुगतान लेखा बही खाते के करार के अनुसार है.

vi. हमारी राय में तथा हमारी जानकारी और हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार, लेखा नीतियों तथा लेखा पर टिप्पणियों के साथ पढ़े जानेवाले उक्त विवरण, और ऊपर बताई गई महत्वपूर्ण बातें और इस प्रतिवेदन के अनुलग्नक में उल्लिखित अन्य बातों से भारत में सामान्य रूप से स्वीकार किए जानेवाले लेखा सिद्धांतों का सही दृश्य प्रतीत होता है.

क. दि. 31 मार्च 2016 को सालार जंग संग्रहालय, हैदराबाद के कार्य-कलाप के मामलों से संबंधित तुलनपत्र और

ख. उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए घाटे से संबंधित आय व खर्च लेखा.

हस्ता/-
महानिदेशक लेखापरीक्षा (केंद्रीय)

---

* (i) योजना (सामान्य): ₹ 9.60 करोड (ii) योजना (पूंजीगत परिसंपत्तियां) : ₹ 3.50 करोड और (iii) गैर- योजना (वेतन तथा सामान्य): ₹ 10.90 करोड

** (i) राजस्व खर्च : ₹ 22.19 करोड (ii) वर्ष के दौरान नियत परिसंपत्तियों के अधिग्रहण का खर्च: ₹ 3.35 करोड

अनुलग्नक

1. **आंतरिक लेखापरीक्षा पद्धति की पर्याप्तता :**

सालार जंग संग्रहालय, हैदराबाद की आंतरिक लेखापरीक्षा भारतीय लोक लेखापरीक्षक संस्थान, हैदराबाद शाखा द्वारा की जाती है.

2. **आंतरिक नियंत्रण पद्धति की पर्याप्तता :**

केंद्रीयकृत स्टॉक/ परिसंपत्तियां रजिस्टर के अनुरक्षण के कारण आंतरिक नियंत्रण पद्धति अपर्याप्त है.

3. **नियत परिसंपत्ति की वास्तविक जांच की पद्धति :**

वर्ष 2015-16 के लिए नियत परिसंपत्ति की वास्तविकता की जांच पूर्ण की गई.

4. **वस्तुसूचियों की वास्तविक जांच की पद्धति :**

वर्ष 2015-16 के लिए वस्तुसूचियों की वास्तविकता की जांच पूर्ण की गई.

5. **संवैधानिक देयता के भुगतान में नियमितता :**

यह संगठन संवैधानिक देयता का नियमित रूप से भुगतान करता है.

हस्ता/-

उप निदेशक/कें.व्य.ले.प.

प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेज़ी में लिखित पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन का हिंदी अनुवाद है। इसमें कोई विसंगति परिलक्षित होती है तो अंग्रेज़ी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।

सालारजंग संग्रहालय
हैदराबाद